चुने हुए संदर्भ

VI. बैंकों का ऋण तथा निवेश परिचालन

बार्थ, जेम्स आर., गेरार्ड कैप्रिओ जूनियर., तथा रॉस लेविन. 2002 ''फाइनैंशियल रेग्युलेशन एंड परफॉर्मेंस : क्रॉस कंट्री एविडेन्स'' लिओनार्डो हेरनांडेज तथा क्लॉस श्मिड्ट-हेब्बेल (सं.), *बैंकिंग, फाइनैंशियल इंटीग्रेशन, एंड इंटरनेशनल क्राइसिस.* 113-41. सेन्ट्रल बैंक ऑफ चिली. सेंटियागो।

बत्रा, गीता, डेनियल कौफमन तथा ऐंड्रयू एच.डब्ल्यू.स्टोन. 2002.वॉइसेज़ ऑफ दि फर्म्स 2002 : *इनवेस्टमेन्ट क्लाइमेट एंड दि गवर्नेन्स फाइंडिंग्ज ऑफ दि वर्ल्ड बिजनेस एनवायरनमेंट सर्वे.* दि वर्ल्ड बैंक ग्रुप।

बेक, थॉरस्टेन, अस्ली डेमिरगुक-कुंट, तथा वोजिस्लाव मक्सिमोविक. 2003. ''बैंक कंप्टीटिशन, फाइनैंसिंग ऑब्स्टैकल्स एंड ऐक्सेस टू क्रेडिट.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर,* 2996. दि वर्ल्ड बैंक।

बेक, थॉरस्टेन, अस्ली डेमिरगुक-कुंट, 2005. ''स्मॉल एंड मीडियम साइज एन्टरप्राइजेज़ : ओवरकमिंग ग्रोथ कान्स्ट्रेन्ट्स.'' दि वर्ल्ड बैंक ग्रुप. फरवरी।

बर्गर, ए.एन. तथा ग्रेगोरी एफ.उडेल. 1994.''डिड रिस्क-बेस कैपिटल अलोकेट बैंक क्रेडिट एंड कॉज ए. 'क्रेडिट क्रंच' इन दि यूनाइटेड स्टेट्स?'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* 26:586-628।

बर्गर,ए.एन. तथा डब्ल्यू.एस.फ्रेम. 2005. ''स्मॉल बिज़नेस क्रेडिट स्कोरिंग एंड क्रेडिट अवेलेबिलिटी.'' फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ अटलांटा. *वर्किंग पेपर सिरीज* 10, मई।

बेनकि, बेन, एस. तथा कारा एस.लाउन. 1991.''दि क्रेडिट क्रंच.'' *ब्रूकिंग्ज पेपर्स ऑन इकोनॉमिक ऐक्टिविटी,* 2:205-46।

बॉइड, जे.एच. तथा एम गर्टलर. 1993. ''यूएस कमर्शियल बैंकिंग : ट्रेन्ड्स, साइकल्स एंड पॉलिसी.'' *एनबीईआर वर्किंग पेपर सिरीज सं.* 4404. जुलाई।

क्लार्क, टी.,ए.डिक, बी.हिरटल, के.जे. स्टिरोह, तथा आर.विलियम्स. 2007.''दि रोल ऑफ रिटेल बैंकिंग इन दि यू.एस.बैंकिंग इंडस्ट्री : रिस्क, रिटर्न एंड इंडस्ट्री स्ट्रक्चर.'' फेडरल रिज़र्व बोर्ड न्यू यॉर्क. *इकॉनॉमिक पॉलिसी रिव्यू.* दिसंबर।

कोलमन, डब्ल्यू.डी. तथा विन पी. ग्रांट. 1998. ''पॉलिसी कनवर्जेन्स एंड पॉलिसी फीडबैक : ऐग्रिकल्चरल फाइनैंस पॉलिसीज इन ए ग्लोबलाइजिंग एरा.'' *यूरोपियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल रिसर्च,* 34 (2):225-47।

कोट्टारेली, कार्लो, गिओवन्नी डेल अरिक्किआ, तथा इवन्ना वल्डकोवा-होल्लर 2003. ''अर्ली बर्ड्स, लेट राइजर्स, एंड स्लीपिंग ब्यूटीज़: बैंक क्रेडिट ग्रोथ टू दि प्राइवेट सेक्टर इन सेंट्रल एंड ईस्टर्न यूरोप एंड दि बालकंस.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर,* डब्ल्यूपी/03/213।

कल, रॉबर्ट, ई. लान्स डेविस, आर.नाओमी लामोरियॉक्स तथा जीन-लॉरेंट रॉसेन्थाल, 2005. ''हिस्टॉरिकल फाइनैंसिंग ऑफ स्मॉल एंड मीडियम-साइज्ड एन्टरप्राइजेज़.'' *एनबीईआर वर्किंग पेपर सिरीज.* अक्तूबर।

यूरोपियन कमीशन. 2003.''एसएमईज़ ऐक्सेस टू फाइनैंस'' ऑब्ज़रवेटरी ऑफ यूरोपियन कमीशन सं. 2।

——. 2005. ''एसएमई ऐक्सेस टू फाइनैंस.'' *फ्लैश बैरोमीटर सं.*174, अक्तूबर।

फूड एंड ऐग्रिकल्चर ऑर्गनाइजेशन.1998 ''ऐग्रिकल्चरल फाइनैंस रिविजिटेड : व्हाइ?'' ऐग्रिकल्चरल फाइनैंस रिविजिटेड, सं.1, फूड एंड ऐग्रिकल्चर ऑर्गनाइजेशन ऑफ दि यूनाइटेड नेशन्स. जून।

गौलिक, सोनिया. 2007 ''पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप्स : ए फाइनैंशियर्स परस्पेक्टिव.'' यूनाइटेड नेशन्स इकोनॉमिक एंड सोशल कमीशन फॉर एशिया एंड दि पैसिफिक (यूएनईएससीएपी). यूएनओ।

घोष, बी., तथा पी.डे. 2004 ''हाऊ डू डिफरेंट कैटिगरीज ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर अफेक्ट डेवलपमेंट? एविडेंस फ्रॉम इंडियन स्टेट्स.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* अक्तूबर 16, 4645-4657।

घोष, सैबल, डी.एम.नाचणे तथा पार्थ रे. 2004 ''बिहेवियर ऑफ बैंक कैपिटल : इश्यूज एंड एविडेन्स फ्रॉम इंडिया.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली.* मार्च।

घोष, स्वाती आर., तथा अतिष आर. घोष. 1999. ''ईस्ट एशिया इन दि आफ्टरमाथः वॉज देयर ए क्रंच ?'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर,* डब्ल्यूपी/99/38।

गोलेत, रमेश. 2007. ''करेंट इश्यूज इन ऐग्रिकल्चरल क्रेडिट इन इंडिया : ऐन असेसमेंट'' *रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ऑकैजनल पेपर्स,* 28(1), समर।

गोपीनाथ, एस. 2005 ''खुदरा बैंकिंग : अवसर तथा चुनौतियां.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* जून।

भारत सरकार. 2007 *ए. दि रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन इनफ्रास्ट्रक्चर फाइनैंसिंग,* (अध्यक्ष : श्री दीपक पारेख), भारत सरकार. मई।

——.2007 बी. *रिपोर्ट ऑफ दि एक्सपर्ट ग्रुप ऑन ऐग्रिकल्चरल इन्डेटेडनेस* (अध्यक्ष : श्री आर. राधाकृष्ण) भारत सरकार, जुलाई।

हरनान्डेज, लिओनार्डो तथा ऑस्कर लांडेरेचे. 2002. ''कैपिटल इनफ्लोज, क्रेडिट बूम एंड मैक्रोइकोनॉमिक वल्नरेबिलिटी : दि क्रास-कंट्री एक्सपीरिएन्स.'' हरनान्डेज एंड शिमड्ट-हेब्बेल(सं.), *बैंकिंग, फाइनैंशियल इंटीग्रेशन एंड इंटरनेशनल क्राइसेस.* सेन्ट्रल बैंक ऑफ चिली, 199-233।

हर्टल, बी.जे. तथा के.जे. स्टिरोह. 2007 ''दि रिटर्न टू रिटेल एंड दि परफार्मेन्स ऑफ यूएस बैंक्स'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 31(4):1101-1133।

हॉलिंगर, एफ. 2004.''ऐग्रिकल्चरल लेंडिंग प्रैक्टिसेज़ : मेथडोलॉजीज एंड प्रोग्राम्स फाइनैंसिंग टर्म इनवेस्टमेंट्स इन ऐग्रिकल्चर : ए रिव्यू ऑफ इंटरनेशनल एक्सपीरिएन्सेज.'' फूड एंड ऐग्रिकल्चर ऑर्गनाइजेशन ऑफ दि यूनाइटेड नेशन्स।

कीन्स, जे.एम.1930. *ट्रीटीज ऑन मनी* ।

लॉइड, डब्ल्यू. मिंट्स.1945. *ए हिस्ट्री ऑफ बैंकिंग थिअरी,* शिकागो : यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस, 27-29।

मिएड, जे.एस. 1934. ''दि अमाउंट ऑफ मनी एंड दि बैंकिंग सिस्टम.'' रिपोर्ट., *रीडिंग्ज इन मॉनिटरी थिअरी* सं. फ्रेडरिच ए. लुट्ज तथा लॉइड डब्ल्यू. मिंट्स, 77-83 लंदन 1951. इकोनॉमिक जर्नल, सं.44।

मेयेर, रिचर्ड एल. तथा गीता नागराजन. 2000 ''स्टडी ऑफ रूरल एशिया : वॉल्यूम 3 : *रूरल फाइनैंशियल मार्केट्स इन एशिया : पॉलिसीज पैराडाइम्स एंड परफॉर्मेन्स.''* एशियन डेवलपमेंट बैंक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस फॉर एडीबी।

मोहन, राकेश. 1996 ''पॉलिसी इंपरेटिव्ज फॉर ग्रोथ एंड वेलफेयर.'' *दि इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट,* खंड 2. भारत सरकार के लिए एनसीएईआर।

——. 2003. ''भारतीय बैंकिंग का रूप परिवर्तन : बेहतर कल की खोज में.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* जनवरी।

——. 2004. ''औद्योगिक वृद्धि के लिए वित्त.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* मार्च।

——. 2005. ''वैश्विक वातावरण में भारतीय अर्थव्यवस्था'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* अक्तूबर।

——. 2006. ''भारत में कृषि ऋण : स्थिति, समस्याएं तथा भविष्य के कार्यक्रम''। *इकोनॉमिक एंड पालिटिकल वीकली.* मार्च।

——. 2008.''नवोन्मेष तथा वृद्धि : वित्तीय क्षेत्र की भूमिका'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन.* अप्रैल।

मोहंती, एम.एस., गेर्ट श्नाबेल तथा पबलो गार्सिया-लूना. 2006. ''बैंक तथा सकल ऋणः नया क्या है?'' *बीआइएस पेपर्स* सं. 28।

मोंटिएल, पीटर जे. 2000. ''व्हॉट ड्राइव्ज़ कंजम्पशन बूम्स?'' *वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू* , 14(3) : 457-80. सितंबर।

मॉरिस, सेबास्टियन. 2001 ''इश्यूज इन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट टुडे : दि इंटरलिकेजेज़.'' अध्याय 2, *इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट,* 3आइ नेटवर्क।

मॉल्टन, एच.जी. 1918. ''कमर्शियल बैंकिंग कैपिटल फॉर्मेशन.'' *जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी*, 26(7)।

नाचणे, डी.एम., आदित्य नारायण, सैबल घोष, तथा एस.साहू. 2001 ''बैंक रेस्पॉन्स टू कैपिटल रिक्वायरमेंट्स : थिअरी एंड इंडियन एविडेन्स.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, 329-35।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक. 2007. ''ग्रामीण मूलभूत संरचना विकास निधि.'' http://www.nabard.org/ridf/genesisofridf.asp

नेशनल कमीशन फॉर दि एन्टरप्राइजेज़ इन दि अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर.2007. फाइनैंसिंग ऑफ एन्टरप्राइजेज़ इन दि अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर एंड क्रिएशन ऑफ ए नेशनल फंड फॉर दि अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर (एनएयूएफएस) (अध्यक्ष : अर्जुन के. सेनगुप्ता)।

पासमोर, डब्ल्यू तथा एस. शारपे. 1994 ''ऑप्टिमल बैंक पोर्टफोलियोज एंड दि क्रेडिट क्रंच.'' *फाइनैंस एंड इकोनॉमिक्स डिस्कशन सिरीज*, 94-19, फेडरल रिज़र्व बोर्ड ऑफ गवर्नर्स।

पेसेक, बी.पी. तथा टी.आर. सेविंग. 1967. मनी, *वेल्थ एंड इकोनॉमिक थिअरी*, न्यूयॉर्क : मैकमिलन।

प्रोचनाऊ, हरबर्ट वी. 1949. *टर्म लोन एंड थिअरीज ऑफ बैंक लिक्विडिटी.* न्यूयॉर्क : प्रेंटिस हॉल।

राजन, रघुराम, तथा लुइगी जिंगेल्स. 1998. ''फाइनैंशियल डिपेंडेन्स एंड ग्रोथ.'' *अमरीकन इकोनॉमिक रिव्यू*, 88(3): 559-86।

राव, के.एस. रामचंद्र, अभिमान दास, तथा अरविंद कुमार सिंह. 2006. ''कमर्शियल बैंक लेंडिंग टू स्मॉल स्केल इंडस्ट्री.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली.* मार्च।

रेड्डी, वाइ.वी. 2005. ''भारत में बैंकिंग क्षेत्र के सुधार : विहगावलोकन.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन.* जून।

——. 2006. ''भारतीय वित्तीय क्षेत्र के सुधार : बदलते आयाम एवं उभरते मुद्दे''. *भा.रि.बैंक बुलेटिन.* जून।

भारतीय रिज़र्व बैंक. 2004. *बैंकिंग प्रणाली से कृषि तथा संबंधित कार्यकलापों के लिए ऋण प्रवाह पर गठित सलाहकार समिति की रिपोर्ट.* जून।

——. 2005. *रिपोर्ट ऑफ दि इंटरनल ग्रुप टू रिव्यू गाइडलाइन्स ऑन क्रेडिट फ्लो टू एसएमई सेक्टर* (अध्यक्ष : श्री. सी.एस. मूर्ति)।

——. 2007ए. ''वित्तीय बाजारों का विकास तथा केंद्रीय बैंक की भूमिका.'' *मुद्रा तथा वित्त पर रिपोर्ट।*

——. 2007 बी. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति तथा प्रगति संबंधी रिपोर्ट।*

रॉस्किस, एन. इमैन्यूएल. 1997. *कमर्शियल बैंकिंग इन ऐन एरा ऑफ डिरेग्युलेशन,* प्राएगेर, पब्लिकेशन वेस्टपोर्ट. कनेक्टिकट।

सेन, सुनंदा, सौम्या कांति घोष. 2005. ''बासेल नॉर्म्स, इंडियन बैंकिंग सेक्टर एंड इम्पैक्ट ऑन क्रेडिट टू एसएमई एंड दि पुअर'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* मार्च।

ठाकोर, अंजन वी. 1996. '' कैपिटल रिक्वायरमेंट्स, मॉनिटरी पॉलिसी एंड एग्रीगेट बैंक लेंडिंग : थिअरी एंड एंपायरिकल एविडेन्स.'' *दि जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 51 : 279-324।

थॉमस, रोलिन जी. 1937. *मॉडर्न बैंकिंग,* न्यूयॉर्क : प्रेस्टिज हॉल 161-169।

टिमोथी, सी.डी. आस्ट्रिड, एच. बेवेर्ली, के.जे. स्टिरोह, तथा आर. विलियम्स. 2007 ''दि रोल ऑफ रिटेल बैंकिंग इन दि यू. एस. बैंकिंग इंडस्ट्री : रिस्क, रिटर्न एंड इंडस्ट्री स्ट्रक्चर.'' *एफआरबीएनवाइ इकोनॉमिक पॉलिसी रिव्यू,* दिसंबर।

वॉल, एल.डी.तथा डेविड आर. पीटरसन.1995. ''बैंक होल्डिंग कंपनी कैपिटल टारगेट्स इन दि अर्ली 1990ज़ : दि रेग्युलेशन्स वेनसस दि मार्केट्स'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस* 19 : 563- 574।

यारोन, जेकब. 1992. ''रूरल फाइनैंस इन डेवलपिंग कंट्रीज.'' *वर्ल्ड बैंक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर,* ऐग्रिकल्चरल पॉलिसीज डिविजन, ऐग्रिकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, वर्ल्ड बैंक, मार्च।

वर्ल्ड बैंक 2008. फाइनैंस फॉर ऑल ? पॉलिसीज एंड पिटफॉल्स इन एक्स्पैंडिंग ऐक्सेस. *ए वर्ल्ड बैंक पॉलिसी रिसर्च रिपोर्ट।*

VII. वित्तीय समावेशन

अग्रवाल, गौरव. 2007 ''फिनैंशियल इन्क्लूजन थ्रू मोबाइल फोन बैंकिंग : इश्यूज एंड चैलेंजेज.'' *सीएबी कॉलिंग,* जुलाई-सितंबर, 2007।

एपीएमएएस तथा ईडीए रूरल सिस्टम्स. 2006. ''सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स इन इंडियाः ए स्टडी ऑफ दि लाइट्स एंड शेड्स.'' आंध्रप्रदेश *महिला अभिवृद्धि* सोसाइटी (एपीएमएएस) तथा ईडीए रूरल सिस्टम्स प्राइवेट लिमि. द्वारा किया गया अध्ययन. www.apmas.org.

आर्यावर्त ग्रामीण बैंक, http://aryavart-rrb.com.

एशियन डेवलपमेंट बैंक. 2000. *फाइनैंस फॉर दि पूअर : माइक्रो-फाइनैंस डेवलपमेंट स्ट्रैटेजी।*

——. 2007 ''लो इनकम हाउसहोल्ड्स ऐक्सेस टू फिनैंशियल सर्विसेज - इंटरनेशनल एक्सपीरिएन्स, मेज़र्स फॉर इम्प्रूवमेंट, एंड दि फ्यूचर.'' *ईएआरडी स्पेशल स्टडीज,* अक्तूबर।

बैंक ऑफ स्कॉटलैंड. 2007. *डिलिवरिंग अवर फिनैंशियल इन्क्लूजन अजेंडा इन स्कॉटलैंड.* मार्च।

ब्रिजमैन, जे. एस. 1999. *वल्नरेबल कंज्यूमर्स एंड फिनैंशियल सर्विसेज.* दि रिपोर्ट ऑफ दि डाइरेक्टर जनरलस इन्क्वायरी, ऑफिस ऑफ फेअर ट्रेडिंग, जनवरी।

सीएबी. 2007. *रिपोर्ट ऑन कॉस्ट्स एंड मार्जिन्स ऑफ माइक्रो फाइनैंस इन्स्टिट्यूशन्स.* कृषि बैंकिंग महाविद्यालय. भारतीय रिज़र्व बैंक।

चांट लिंक एंड एसोसिएट्स. 2004. *ए रिपोर्ट ऑन फिनैंशियल एक्सक्लूजन इन ऑस्ट्रेलिया.* नवंबर।

कोन्नोल्ली, सी. तथा के. हजाज. 2001. ''फिनैंशियल सर्विसेज एंड सोशल एक्सक्लूजन.'' फिनैंशियल सर्विसेज कंज्यूमर पॉलिसी सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स।

क्रिएडो, जे. तथा आर. कोशी. 2008 ''क्रिएटिंग लीडर्स ऐट दि बॉटम ऑफ दि पिरामिड.'' माइक्रोफाइनैंस इनसाइट्स, मार्च।

फोर्ड, जे. तथा के. राउलिंगसन. 1996 ''लो-इनकम हाउसहोल्ड्स एंड क्रेडिट : एक्सक्लूजन, प्रिफरेन्स एंड इनक्लूजन.'' *एनवायरनमेंट एंड प्लानिंग,* 28:1345-60।

भारत सरकार.2007. *रिपोर्ट ऑफ दि वर्किंग ग्रुप ऑन कॉम्पिटिटिव माइक्रो-क्रेडिट मार्केट इन इंडिया.* ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना, योजना आयोग।

——. सूचना पुस्तिका. डाक विभाग।

——. केंद्रीय बिजली प्राधिकरण. www.cea.nic.in.

——. सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग. www.morth.nic.in.

——. एनएसएसओ, सर्वेक्षण के विभिन्न दौर।

——. 2008 ''चैलेंजेज़, पॉलिसी रिफार्म्स एंड मीडियम टर्म प्रॉस्पेक्ट्स'' *आर्थिक सर्वेक्षण* 2007-08, अध्याय 2।

——. 2008. *भारत में वित्तीय समावेशन संबंधी समिति की रिपोर्ट* (अध्यक्ष डॉ. सी. रंगराजन). जनवरी.

ग्रामीण बैंक. www.grameen-info.org.

एच.एम.ट्रेजरी,2004. *प्रोमोटिंग फिनैंशियल इन्क्लूजन.* एचएमएसओ.सेंट क्लेमेन्ट्स हाउस, 2-16 कोलगेट, नॉरविच, दिसंबर।

——. 2006. *फिनैंशियल इनक्लूजनः क्रेडिट, सेविंग्ज, एडवाइस एंड इन्शुरेन्स.* ट्वेल्थ रिपोर्ट ऑफ सेशन 2005-06, खंड I. हाउस ऑफ कॉमन्स ट्रेजरी कमिटी, यूके।

——. 2007. *फिनैंशियल इनक्जूजन : दि वे फॉरवर्ड.* एच.एम.ट्रेजरी. लंदन, मार्च।

आइआइएमएस. 2007. *इनवेस्ट इंडिया इनकम्स एंड सेविंग्ज सर्वे.* इनवेस्ट इंडिया मार्केट सोल्यूशन्स (आइआइएमएस डेटावर्क्स). www.iimsdataworks.com.

आइआरडीए.2008. ''गेटिंग बेटर एंड बेटर.'' *आइआरडीए जर्नल.* इन्शुरेन्स रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, जनवरी. www.irdaindia.org.

इंडियन बैंक. www.indianbank.in.

कामथ, राघव 2007. ''ब्रांचलेस बैंकिंग : कार्प बैंक्स ऐन्सर फॉर फिनैंशियल इनक्लूजन'' *सीएबी कॉलिंग,* जुलाई-सितंबर, खंड 31, सं.3।

केम्पसन, ई.2006. ''पॉलिसी लेवेल रेस्पॉन्स टू फिनैंशियल एक्सक्लूजन इन डेवलप्ड इकोनॉमीज : लेसन्स फॉर डेवलपिंग कंट्रीज.'' पेपर फॉर ऐक्सेस टू फाइनैंस : बिल्डिंग इनक्लूजिव फाइनैंशियल सिस्टम्स, मई 30-31, विश्व बैंक, वाशिंगटन, डीसी।

केम्पसन, ई.तथा सी.व्हाइले.1978. *ऐक्सेस टू करेंट अकाउंट्स.* लंदन : ब्रिटिश बैंकर्स असोसिएशन।

——. 1999. *केप्ट आउट ऑर ऑप्टेड आउट?* ब्रिस्टोल:पॉलिसी प्रेस।

——. 2000. *इन ऑर आउट? फिनैंशियल एक्सक्लूजन : ए लिटरेचर एंड रिसर्च रिव्यू.* फाइनैंशियल सर्विसेज अथॉरिटी, लंदन।

केम्पसन ई, ए. अटकिन्सन तथा ओ. पिल्ले. 2004. ''पॉलिसी लेवेल रेस्पॉन्स टू फिनैंशियल एक्सक्लूजन इन डेवलप्ड इकोनॉमीज : लेसन्स फॉर डेवलपिंग कंट्रीज.'' यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टाल।

लीलाधर, वी.2006. ''आम आदमी तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाना - वित्तीय समावेशन.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* जनवरी।

लेशोन, ए. तथा एन.थ्रिफ्ट. 1993. ''दि रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ दि यूके फिनैंशियल सर्विसेज इंडस्ट्री इन दि 1990ज : ए रिवर्सल ऑफ फॉरच्यून?'' *जर्नल ऑफ रूरल स्टडीज,* 9 : 223-41।

——. 1995. ''जिओग्रैफीज ऑफ फिनैंशियल एक्सक्लूजन: फिनैंशियल अबंडनमेंट इन ब्रिटेन एंड दि यूनाइटेड स्टेट्स.'' *ट्रान्जैक्शन्स ऑफ दि इन्स्टिट्यूट ऑफ ब्रिटिश जिओग्रैफर्स,* न्यू सिरीज, 20: 312-41।

मीडोज, पी.,पी. आर्मेरोड तथा डब्ल्यू.कुक. 2004. ''सोशल नेटवर्क्स : देअर रोल इन ऐक्सेस टू फिनैंशियल सर्विसेज इन ब्रिटेन.'' *नेशनल इन्स्टिट्यूट इकोनॉमिक रिव्यू* (189): 99-109।

मोहन, राकेश. 2006. ''आर्थिक वृद्धि, वित्तीय गहनता तथा वित्तीय समावेशन.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* नवंबर।

एनएएफएससीओबी *परफॉर्मेंस ऑफ प्राइमरी ऐग्रिकल्चरल क्रेडिट सोसाइटीज.* विभिन्न अंक।

एनसीएईआर. 2008. *''हाऊ इंडिया अर्न्स, स्पेंड्स, एंड सेव्ज.''* रिजल्ट्स फ्रॉम दि मैक्स न्यू यॉर्क लाइफ - एनसीएईआर इंडिया फिनैंशियल प्रोटेक्शन सर्वे. www.ncaer.org.

एनएचबी. 2006. *रिपोर्ट ऑन ट्रेन्ड एंड प्रोग्रेस ऑन हाउसिंग इन इंडिया* 2005. नेशनल हाउसिंग बैंक, नवंबर।

एनएसएसओ. *ऑल इंडिया डेट एंड इनवेस्टमेंट सर्वे (एआइडीआइएस).* विभिन्न अंक।

पुहाझेंडी, वी. तथा के.जे.एस. सत्यसाइ. 2000. ''माइक्रोफाइनैंस फॉर रूरल पीपल: ऐन इम्पैक्ट इवैल्यूएशन.'' नाबार्ड।

पुहाझेंडी, वी. तथा के.सी. बडत्या. 2002. ''एसएचजी-बैंक लिंकेज प्रोग्राम फॉर रूरल पूअर - ऐन इम्पैक्ट असेसमेंट.'' www.microfinancegateway.org.

राजन, एम.एस.एस. 2007. ''रेप्लीकेशन ऑफ फिनैंशियल इनक्लूजन: अपॉरच्युनिटीज एंड चैलेंजेज़ - इंडियन बैंक एक्सपीरिएन्स.'' *सीएबी कॉलिंग,* जुलाई-सितंबर, खंड 31, सं.3।

राव, एम.बी.एन. 2007. ''सस्टेनेबल इनक्लूजन - कॉस्ट ऑफ इनक्लूजन'' स्कोच फिनैंशियल टेक्नॉलॉजीज़ सम्मिट।

रेड्डी, वाइ.वी. 2007. ''वृद्धि और रोजगार के लिए वित्तीय क्षेत्र की नीतियां.'' भारतीय *रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* दिसंबर।

भारतीय रिज़र्व बैंक. *भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां.* विभिन्न अंक।

——. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति संबंधी रिपोर्ट. विभिन्न अंक।

——. *छोटे उधारकर्ता खातों का सर्वेक्षण, भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन,* विभिन्न अंक।

——. 2007. *भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय पुस्तिका 2006-07।*

——. 2007. *रिपोर्ट फॉर दि टेक्निकल ग्रुप टू रिव्यू लेजिस्लेशन्स ऑन मनी लेंडिंग।*

रॉगली, बी.,टी. फिशर तथा ई.मायो. 1999. *पॉवर्टी, सोशल एक्सक्लूजन एंड माइक्रोफाइनैंस इन ब्रिटेन.* लंदनः ओक्सफाम जीबी।

सिनक्लेअर, स्टीफन, पी.2001.''फिनैंशियल एक्सक्लूजन : ऐन इंट्रोडक्टरी सर्वे''. सेंटर फॉर रिसर्च इनटू सोशली इनक्लूजिव सर्विसेज (सीआरएसआइएस) एडिनबर्ग कॉलेज ऑफ आर्ट, हेरिअट वॉट यूनिवर्सिटी।

स्पीक, एस. तथा एस. ग्राहम. 1999. ''सर्विसेज नॉट इनक्लूडेडः प्राइवेट सर्विसेज रिस्ट्रक्चरिंग, नेबरहुड्स एंड सोशल मार्जिनलाइजेशन.'' *एनवायरनमेंट एंड प्लानिंग,* ए-31।

टंखा, ए.2002. ''सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स ऐज फिनैंशियल इंटरमीडियरीज इन इंडिया : कॉस्ट ऑफ प्रोमोशन, सस्टेनेबिलिटी एंड इंम्पैक्ट.'' ए स्टडी प्रिपेअर्ड फॉर आइसीसीओ एंड कोरडेड, दि नीदरलैंड्स. www.microfinancegateway.org.

थोरात, उषा 2006ए. ''वित्तीय समावेशन तथा सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* फरवरी।

——. 2006बी. ''निरंतर विकास के लिए वित्तीय समावेशन : सूचना प्रौद्योगिकी तथा मध्यस्थों की भूमिका.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* दिसंबर।

——. 2008. ''समावेशी वृद्धि - उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बैंकों की भूमिका'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* मार्च।

यूनाइटेड नेशन्स. 2006 ए. एडवाइजर्स ग्रुप ऑन इनक्लूजिव फिनैंशियल सेक्टर्स, यूनाइटेड नेशन्स. www.uncdf.org.

——. 2006 बी. *बिल्डिंग इनक्लूजिव फिनैंशियल सेक्टर्स फॉर डेवलपमेंट,* न्यूयॉर्क.

वॉलेस, जेम्स ई. 1995.''फाइनैंसिंग अफोर्डेबल हाउसिंग इन दि यूनाइटेड स्टेट्स.'' *हाउसिंग पॉलिसी डिबेट,* 6(4):785-814।

वर्ल्ड बैंक. 2008. *फाइनैंस फॉर ऑल - पॉलिसी एंड पिटफॉल्स इन एक्सपैंडिंग ऐक्सेस.* दि वर्ल्ड बैंक, वॉशिंगटन डी. सी.

VIII. प्रतियोगिता एवं समेकन

अग्विरे, ई. तथा नॉर्टन, जे.जे. 2000. ''रिफॉर्म ऑफ लैटिन अमेरिकन बैंकिंग सिस्टम्स : नेशनल एंड इंटरनेशनल परस्पेक्टिव्ज.'' क्लुवेर लॉ इंटरनेशनल, लंदन, इंग्लैंड।

अलेन, एल. तथा राय ए. 1996. ''ऑपरेशनल एफिशिएन्सी इन बैंकिंग : ऐन इंटरनेशनल कंपेरिज़न.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* खंड. 20:655-72।

ऐन्ड्रयूज, माइकेल ए. 2005. ''स्टेट-ओन्ड बैंक्स, स्टेबिलिटी, प्राइवेटाइज़ेशन, एंड ग्रोथ : प्रैक्टिकल पॉलिसी डिसिजन्स इन ए वर्ल्ड विदाउट इंपायरिकल प्रूफ''. *आइएमएफ वर्किंग पेपर* डब्ल्यूपी/05/10, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड।

बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स.2001. *रिपोर्ट ऑन कनसॉलिडेशन इन दि फिनैंशियल सेक्टर,* ग्रुप टेन, स्विटज़रलैंड।

——. 2004 ''फॉरेन डाइरेक्ट इनवेस्टमेंट इन दि फिनैंशियल सेक्टर ऑफ इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमी'' *सीजीएफएस,* पब्लिकेशन सं.22. मार्च।

——. 2001. ''दि बैंकिंग इंडस्ट्री इन दि इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमीज : कॉम्पिटिशन, कनसॉलिडेशन एंड सिस्टेमैटिक स्टेबिलिटी.'' *बीआइएस पेपर्स* नं.4।

बार्थ, जे.आर., जी. कैप्रिओ, तथा आर. लेवाइन. 2000. ''बैंकिंग सिस्टम्स अराउंड दि ग्लोब : डू रेग्युलेशन एंड ओनरशिप अफेक्ट परफार्मेन्स एंड स्टेबिलिटी''? 2325, वर्ल्ड बैंक।

बार्थ, जे.आर., जी. कैप्रिओ जूनियर, तथा आर. लेवाइन. 2001. ''बैंकिंग सिस्टम्स अराउंड दि ग्लोब : डू रेग्युलेशन्स एंड ओनरशिप अफेक्ट परफार्मेन्स एंड स्टेबिलिटी''? *प्रुडेन्शियल सुपरविजन : व्हॉट वर्क्स एंड व्हॉट डज़न्ट* सं. मिश्किन, एफ.एस., 2001. में, यूनि. ऑफ शिकागो प्रेस, 31-88।

बार्थ, जे.आर. कैप्रियो, जूनियर., गेरार्ड तथा नोल्ले, डेनियल ई. 2004 ''कंपेरेटिव इंटरनेशनल कॅरॅक्टरिस्टिक्स ऑफ बैंकिंग.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिसी एनालिसिस वर्किंग पेपर नं.1।*

बर्गर, अलेन, एन. तथा लोरेट्टा जे. मेस्टर. 1997.''इनसाइड दि ब्लैक बॉक्सः व्हॉट एक्सप्लेन्स डिफरन्सेज़ इन दि इफिशिएन्सीज ऑफ फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स,'' *सेन्टर फॉर फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स वर्किंग पेपर्स 97(04)*, व्हॉर्टन स्कूल सेंटर फॉर फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स. यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिल्वेनिया।

बर्गर, अलेन एन. तथा हंम्फरे, डेविड बी. 1997. ''इफिशिएन्सी ऑफ फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स : इंटरनेशनल सर्वे एंड डाइरेक्शन्स फॉर फ्यूचर रिसर्च.'' *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च,* एल्सेवियर, खंड 98, सं.2 : 175-212।

बर्गर, ॲलेन, एन. तथा टिमोथी एच. हन्नान. 1998 ''दि इफिशिएन्सी कॉस्ट ऑफ मार्केट पॉवर इन दि बैंकिंग इंडस्ट्री : ए टेस्ट ऑफ दि ''क्वॉयट लाइफ'' एंड रिलेटेड हाइपोथेसेस.'' दि रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, खंड 80ए सं. 3 : 454-465।

बर्गर, ॲलेन एन., रेबेका एस. डेमसेट्ज तथा फिलिप ई. स्ट्राहन. 1999. ''दि कंसोलिडेशन ऑफ दि फिनैंशियल सर्विसेज इंडस्ट्री : कॉजेज, कॉनसिक्वेन्सेज, एंड इंप्लीकेशन्स फॉर दि फ्यूचर.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* खंड 23 : 135-194।

बिक्केर, जैकब ए., तथा हाफ कथारिना. 2002. ''कॉम्पिटिशन, कॉन्सेनट्रेशन एंड देअर रिलेशनशिप : ऐन एंपिरिकल अनालिसिस ऑफ दि बैंकिंग इंडस्ट्री.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस.* खंड 26 : 2191-2214।

बिकेर, जैकब ए. 2004. ''कॉम्पिटिशन एंड इफिशिएंसी इन ए यूनिफाइड यूरोपियन बैंकिंग मार्केट.'' एडवर्ड एल्गार पब्लिशिंग।

कार्डेनस, जे., जे.पी.ग्राफ, तथा पी.ओ. डॉघर्टी. 2003. ''फॉरेन बैंक एन्ट्री इन इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमीज : ए होस्ट कंट्री परस्पेक्टिव.'' *सीजीएफएस वर्किंग ग्रुप ऑन एफडीआइ इन दि फिनैंशियल सेक्टर*।

कासू, बार्बरा., तथा क्लाडिया गिरार्डन.2007.''डज़ कॉम्पिटिशन लीड टू इफिशिएंसी? दि केस ऑफ ईयू कमर्शियल बैंक्स.'' *यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स डिस्कशन पेपर* नं.07-0, यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स।

क्लेसेन्स, स्टिज्न तथा लेवेन, लुक.2003.''व्हॉट ड्राइव्ज़ बैंक कॉम्पिटिशन? सम इंटरनेशनल एविडेन्स.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर सिरीज* 3113, वर्ल्ड बैंक।

डेलोइट्टे. 2005. *दि चैंजिंग बैंकिंग लैंडस्केप इन एशिया पैसिफिक : ए रिपोर्ट ऑन बैंक कनसॉलिडेशन.* डेलोइट्टे टच टोहमत्सु।

डोमान्स्की, डी.2005. ''फॉरेन बैंक्स इन इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमीज : चैंजिंग प्लेयर्स. चैंजिंग इश्यूज.'' *बीआइएस तिमाही समीक्षा।*

एडवर्ड्स, जे. तथा फिशर, के. 1994. ''बैंक, फाइनैंस, एंड इनवेस्टमेंट इन जर्मनी.'' कैंब्रिज : कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

इग्ली, डी.तथा बी. रिमे.1999. ''दि यूबीएस-एसबीसी मर्जर एंड कॉम्पिटिशन इन दि स्विस रिटेल बैंकिंग सेक्टर.'' *स्टडिएनजेंट्रम गेरज़ेन्सी वर्किंग पेपर* नं.00/02. दिसंबर।

इसेनबिस, आर.ए. तथा कौफमैन, जी.2005.''बैंक क्राइसेस रिजोल्यूशन एंड फॉरेन ओन्ड बैंक्स.'' *इकोनॉमिक रिव्यू,* खंड.90 सं.4. फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ अटलांटा।

इचेनग्रीन, बैरी, तथा माइकेल मूस्सा. 1998.''कैपिटल अकाउंट लिबरलाइजेशन- थिअरॉटिकल एंड प्रैक्टिकल आस्पेक्ट्स.''*आइएमएफ ऑकेजनल पेपर* नं.172. इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, वॉशिंगटन।

इचेनग्रीन, बैरी तथा माइकेल मूस्सा. 1998. ''कैपिटल अकाउंट लिबरलाइजेशन एंड दि आइएमएफ.'' *फाइनैंस एंड डेवेलपमेंट*, खंड 35, सं.4।

यूरोपियन सेन्ट्रल बैंक.2005. ''बैंकिंग स्ट्रक्चर्स इन दि न्यू ईयू मेंबर स्टेट्स.'' फ्रैंकफर्ट. जनवरी।

फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ सैन फ्रान्सिस्को. 2004. ''बैंकिंग कनसॉलिडेशन'' *एफआरबीएसएफ इकोनॉमिक लेटर*, सं.2004-15।

गैस्टॉन, आर.गेलोस तथा जॉर्ज रोल्डोस.2002. ''कनसॉलिडेशन एंड मार्केट स्ट्रक्चर इन इमर्जिंग मार्केट बैंकिंग सिस्टम्स.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर सं.02/186.* इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड।

जॉर्ज, क्लार्क तथा अन्य, 2002 ''दि इफेक्ट्स ऑफ फॉरेन एन्ट्री ऑन अर्जेंटिनाज डोमेस्टिक बैंकिंग सेक्टर''. वर्ल्ड बैंक, वॉशिंगटन।

गेरश्चेनक्रोन, तथा ए. गेरश्चेनक्रोन. 1962.''इकोनॉमिक बैकवर्डनेस इन हिस्टोरिकल परस्पेक्टिव : ए बुक ऑफ एसेज.'' कैंब्रिज : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

गोल्डबर्ग, एल.एस., क्रिस्टल, जे तथा डागेज, बी. जी. 2002. ''हैज फॉरेन बैंक एन्ट्री लेड टू साउंडर बैंक्स इन लैटिन अमेरिका?'' *करेंट इश्यूज इन इकोनॉमिक्स एंड फाइनैंस,* खंड.8 सं.1।

गौरले, अड्रियन, रविशंकर गीता तथा वेमन-जोन्स टॉम.2006 ''नॉन-पैरामेट्रिक अनालेसिस ऑफ इफिशिएन्सी गेन्स फ्रॉम बैंक मर्जर्स इन इंडिया.'' *डिस्कशन पेपर सिरीज,* डब्ल्यूपी-17. लोबरो यूनिवर्सिटी. यूके।

भारत सरकार. 1998, *बैंकिंग क्षेत्र सुधार पर समिति* (अध्यक्ष : एम. नरसिंहम)।

गुटिरेज़, दि रोजस, लूइस. 2007. ''टेस्टिंग फॉर कॉम्पिटिशन इन दि स्पैनिश बैंकिंग इंडस्ट्री : दि पेनज़ार-रोस्से अप्रोच रिविजिटेड.'' *बान्को दि इस्पाना रिसर्च पेपर* सं.डब्ल्यूपी-0726. अगस्त।

हल्पेरिन, एम. तथा बेल, एस.जे.1992.''रिसर्च गाइड टू कारपोरेट अक्विजिशन्स, मर्जर्स, एंड अदर रिस्ट्रक्चरिंग.'' न्यूयॉर्क : ग्रीनवुड प्रेस।

हन्नान, टिमोथी एच. 1997. ''मार्केट शेअर इनइक्वलिटी, दि नंबर ऑफ कॉम्पिटिटर्स, एंड दि एचएचआइ.'' *रिव्यू ऑफ इंडस्ट्रियल ऑर्गनाइजेशन,* खंड.12 : 23-35।

हॉकिन्स, जॉन तथा डुब्रावको मिहाल्जेक.2001. ''दि बैंकिंग इंडस्ट्री इन दि इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमीज : कॉम्पिटिशन, कनसोलिडेशन एंड सिस्टेमिक स्टेबिलिटी - ऐन ओवरव्यू.'' *बीआइएस पेपर्स* सं.4।

होनोहन, पैट्रिक तथा क्लिंगेबिएल, डनिएला, 2000. ''कंट्रोलिंग दि फिस्कल कॉस्ट्स ऑफ बैंकिंग क्राइसेस.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर सिरीज 2441.* दि वर्ल्ड बैंक।

हुआंग, एक्स., तथा अन्य. 2008 ''असेसिंग दि इम्पैक्ट ऑफ फॉरेन बैंक्स एन्ट्री इन टू चाइनाज बैंकिंग.'' *चाइना इनसाइट्स टुडे,* खंड 1, सं.1।

हुइजिंगा, एच.पी., जे.एच.एम.नेलिसन तथा आर. वंडेर वेन्नेत.2001. ''इफिशिएन्सी इफेक्ट्स ऑफ बैंक मर्जर्स एंड अक्विजिशन्स इन यूरोप.'' *डिस्कशन पेपर नं.088/03.* टिंबर्जन इन्स्टिट्यूट, एम्सटरडम।

इग्नासियो, फ्यून्टेस तथा सास्ट्रे टेरेसा. 1998. ''इम्प्लीकेशन्स ऑफ रिस्ट्रक्चरिंग इन दि बैंकिंग इंडस्ट्री : दि केस ऑफ स्पेन.'' *बीआइएम कान्फरेन्स पेपर्स,* 7 : 98-120।

भारतीय बैंक संघ. 2003. *बैंकिंग इंडस्ट्री : विजन 2010 ऑफ दि इंडियन बैंक्स.* रिपोर्ट।

जालान, बिमल. 2002. ''इंडियाज इकोनॉमी इन दि न्यू मिलेनियम : सेलेक्टेड एसेज.'' यूबीएस पब्लिशर्सट डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइ. लिमि.।

जोन्स, केनेथ डी. तथा टिम क्रिचफील्ड.2005. ''कनसोलिडेशन इन दि यू.एस.बैंकिंग इंडस्ट्री : इज दि ज्लांग, स्ट्रेंज ट्रिपट अबाउट टु एंड?'' *फेडरल डिपॉजिट इन्शूरेन्स कारपोरेशन बैंकिंग रिव्यू,* खंड 17, सं.4।

जोशी, विजय तथा आइ.एम.डी. लिटल. 1996. *इंडियाज इकोनॉमिक रिफॉर्म्स. 1991-2001.* दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

कांग, जुन-कू तथा स्टल्ज, रेने एम. 2000. ''डू बैंकिंग सॉक्स अफेक्ट बॉरोइंग फर्म परफॉर्मेन्स ? ऐन अनालिसिस ऑफ दि जापानीज इक्सपीरिएन्स.'' *जर्नल ऑफ बिजनेस,* खंड 73 सं.1।

क्रेनर, जे.2000. ''दि सेपरेशन ऑफ बैंकिंग एंड कॉमर्स.'' एफआरबीएसएफ इकोनॉमिक रिव्यू 2000, फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ सैनफ्रान्सिस्को : 15-25।

ला पोर्टा, आर., एफ. लोपेज-डि-सिलानेस, तथा ए. श्लेफर. 2002 ''गवर्नमेंट ओनरशिप ऑफ बैंक्स.'' *जर्नल ऑफ फाइनान्स,* खंड 57:265-301।

लहुसेन, रिनहार्ड.2004. ''बैंक परफॉर्मेन्स इन यूरोप : ग्रेट प्रोग्रेस थ्रू कनसोलिडेशन - एक्सेप्ट इन जर्मनी.'' *ईयू मॉनिटर* सं.13, फिनैंशियल मार्केट स्पेशल.ड्यूश बैंक रिसर्च, जून।

लीलाधर, वी. 2008. ''कनसोलिडेशन इन दि इंडियन फिनैंशियल सेक्टर.'' इंडियन मर्चेंट्स चेंबर, मुंबई द्वारा आयोजित इंटरनेशनल बैंकिंग एंड फाइनैंस कॉनफरेन्स 2008 में दिया गया भाषण।

——. 2004. *रिपोर्ट ऑन कनसोलिडेशन इन इंडियन बैंकिंग सिस्टम।*

महेश, एच.पी. तथा मीनाक्षी राजीव. 2006. ''लिबरलाइजेशन एंड प्रोडक्टिव इफिशिएंसी ऑफ इंडियन कामर्शियल बैंक्सः ए स्टकैस्टिक फ्रंटियर अनालिसिस.'' *एमपीआरए पेपर* 827. यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी ऑफ मूनिच. जर्मनी।

मैथिसन, डी.जे. तथा रोल्डोस, जे. 2001. ''दि रोल ऑफ फॉरेन बैंक्स इन इमर्जिंग मार्केट्स.'' तीसरे वार्षिक वित्तीय बाजार तथा विकास सम्मेलन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, तथा ब्रूकिंग्ज इन्स्टिट्यूशन के लिए तैयार किया गया।

मेग्गिन्सन, विलियम एल. 2005 ''दि इकोनॉमिक्स ऑफ बैंक प्राइवेटाइजेशन.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस*, खंड 29: 1931-1980.

मिहालजेक, डुब्रावको. 2006. ''प्राइवेटाइजेशन, कनसोलिडेशन एंड दि इनक्रीज्ड रोल ऑफ फॉरेन बैंक्स''. *बीआइएस पेपर* 28. अगस्त।

मोहन राकेश. 2004ए ''वैश्वीकरण : वित्तीय क्षेत्र में संस्था निर्माण की भूमिका : भारतीय मामला.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन.* फरवरी।

——.2004बी. ''भारत के निजी क्षेत्र के बैकों में स्वामित्व तथा अभिशासन.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन*, अक्तूबर।

——. 2006. ''बैंकिंग में सुधार, उत्पादकता और कार्यकुशलताः भारतीय अनुभव'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन*, मार्च।

नित्सुरे, रूपा रेगे. 2008.''बैंकों का समेकन : कुछ विचार'' वित्तीय क्षेत्र सेमिनार सिरीज में आइसीआरआइईआर में 8 अप्रैल का प्रस्तुतीकरण।

नॉर्थकॉट, सी.ए. 2004. ''कॉम्पिटिशन इन बैंकिंग : ए रिव्यू ऑफ दि लिटरेचर.'' *बैंक ऑफ कनाडा वर्किंग पेपर* नं.24।

पनज़र, जे. तथा जे. रोस. 1987.''टेस्टिंग फॉर मोनापोली इक्विलिब्रियम.'' *जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स*, खंड 35: 443-56।

पीटरसन, एम.ए तथा आर.जी. राजन. 1995. ''दि इफेक्ट ऑफ क्रेडिट मार्केट कॉम्पिटिशन ऑन लेंडिंग रिलेशनशिप्स.'' *क्वार्टर्ली जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स*, खंड 110: 407-443।

प्रागेर, तथा हन्नान.1998.''दि रिलैक्सेशन ऑफ एन्ट्री बैरियर्स इन दि बैंकिंग इंडस्ट्री : ऐन एंपायरिकल इनवेस्टिगेशन.'' जर्नल ऑफ फिनैंशियल सर्विसेस रिसर्च, खंड 14,सं.3:171-188।

प्रागेर, रॉबिन ए. तथा हन्नान, टिमोथी एच. 1998.''डू सबस्टैंशियल हॉरिजंटल मर्जर्स जनरेट सिग्निफिकेंट प्राइस इफेक्ट्स? एविडेन्स फ्रॉम दि बैंकिंग इंडस्ट्री''. *जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स*, खंड. 46, सं.4 : 433-52, दिसंबर।

प्रसाद, ए. तथा सैबल घोष.2005.''कॉम्पिटिशन इन इंडियन बैंकिंग.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर* सं. डब्ल्यूपी/05/141।

राडेकी, एल.जे.,जे. वेन्निगर तथा डी.के. ओरलो. 1997.''इंडस्ट्री स्टक्चर : इलेक्ट्रॉनिक डेलिवरीज पोटेंशियल इफेक्ट्स ऑन रिटेल बैंकिंग.'' *जर्नल ऑफ रिटेल बैंकिंग सर्विसेज*, खंड.19, सं.4 : 57-63।

राडेकी, एल. जे.1998.''दि एक्सपैंडिंग जिओग्रैफिक रीच ऑफ रिटेल बैंकिंग मार्केट्स.'' *इकोनॉमिक पॉलिसी रिव्यू*, खंड.4, सं.2, फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क।

राजन, आर.जी.तथा जिंगेल्स, एल.1998.''फिनैंशियल डिपेंडेंस एंड ग्रोथ.'' *अमरीकन इकोनॉमिक रिव्यू*, खंड 88, सं.3।

राम मोहन, टी.टी.2002. ''डिरेग्युलेशन एंड परफार्मेन्स ऑफ पब्लिक सेक्टर बैंक्स.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड.37, सं.5:393-397।

——. 2004. ''कनसोलिडेशन ऑफ बैंक्स : ए केस ऑफ मिसप्लेस्ड प्राइऑरिटीज.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड.39, सं.50:5283-87।

——. 2005. ''बैंक कनसोलिडेशन : इश्यूज एंड एविडेन्स.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* खंड.40., सं.2 : 1151-1159।

राम मोहन, टी.टी. तथा एस.रे. 2004. ''प्रोडक्टिविटी ग्रोथ एंड इफिशिएंसी इन इंडियन बैंकिंग : ए कंपेरिजन ऑफ पब्लिक, प्राइवेट एंड फॉरेन बैंक्स.'' *डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स वर्किंग पेपर* सं.2004-27, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट।

राम मोहन, टी.टी. तथा एस.रे. 2004. ''कम्पेअरिंग परफार्मेन्स ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर बैंक्सः ए रेवेन्यू मैक्सिमाइजेशन अप्रोच.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* खंड 39, सं.12ः 1271-75।

रंगराजन, सी. 2007. ''दि इंडियन बैंकिंग सिस्टम - चैलेंजेज अहेड.'' इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस में 31 जुलाई 2007 को आयोजित प्रथम आर.के. तलवार स्मरणार्थ भाषण।

भारतीय रिज़र्व बैंक. 1991. *वित्तीय प्रणाली पर समिति* (अध्यक्ष : एम.नरसिंहम)।

रेड्डी, वाइ.वी.1992. ''प्राइवेटाइजेशन एंड फिनैंशियल सेक्टर : ओनरशिप, कॉम्पिटिशन एंड इफिशिएंसी.'' बैंक इकोनॉमिस्ट्स कांफरेंस में प्रस्तुत किया गया पेपर।

——. 2000 ''बैंकिंग इन फ्यूचर : फ्लेक्सिबिलिटी, ऑटोनॉमी एंड रेग्युलेटरी रिफोकस.'' एनआइबीएम, पुणे में बैंकों के अध्यक्षों के सम्मेलन में दिया गया समापन भाषण।

——. 2002. ''पब्लिक सेक्टर बैंक्स एंड दि गवर्नेन्स चैलेंज : इंडियन एक्सपीरिएंस.'' फिनैंशियल सेक्टर गवर्नेन्स : दि रोल ऑफ दि पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर्स पर 18 अप्रैल 2002 को न्यूयॉर्क में वर्ल्ड बैंक, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, तथा ब्रूकिंग्ज इन्स्टिट्यूशन में प्रस्तुत पेपर।

——. 2004. ''भारत का वित्तीय क्षेत्र वैश्वीकरण की दिशा में.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* जनवरी।

भारतीय रिज़र्व बैंक, 1999. *सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों की पुनर्संरचना पर गठित कार्यकारी दल* (अध्यक्ष : एम.एस. वर्मा)।

——. 2004. *कृषि तथा संबंधित कार्यकलापों के लिए ऋण का प्रवाह :* परामर्शी समिति रिपोर्ट।

——. 2005. *आरआरबी पर गठित आंतरिक कार्यकारी दल की रिपोर्ट।*

——. 2007. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति तथा प्रगति संबंधी रिपोर्ट, 2006-07।*

रॉस, एस.ए. वेस्टरफील्ड, आर.डब्ल्यू तथा जॉर्डन, बी.डी. 1995. *फंडामेंटल्स ऑफ कारपोरेट फाइनैंस. शिकागो* : इर्विन।

सरकार, जयती, सुब्रत सरकार तथा सुमन भौमिक. 1998. ''डज ओनरशिप आल्वेज मैटर? - एविडेन्स फ्रॉम दि इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री.'' *जर्नल ऑफ कंपरेटिव इकोनॉमिक्स,* खंड - 26,सं.2ः 262-81।

सपिएंजा, पी. 1998. ''दि इफेक्ट्स ऑफ बैंकिंग मर्जर्स ऑन लोन कॉन्ट्रैक्ट्स.'' *नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी वर्किंग पेपर।*

शार्पे, एस.ए. 1990. ''असिम्मेट्रिक इनफॉर्मेशन, बैंक लेंडिंग एंड इंप्लिसिट कॉन्ट्रैक्ट्स ए स्टाइल्ड मॉडेल ऑफ कस्टमर रिलेशनशिप्स''. *जर्नल ऑफ फाइनैंस, खंड.*45 : 1069-1087।

शल, बेर्नार्ड तथा हनवेक, गेराल्ड ए. 2001. *बैंक मर्जर्स इन ए डिरेग्युलेटेड एनवाइरनमेंट : प्रॉमिस एंड पेरिल,* कोरम बुक्स. यूएसए।

साइमंस, के. तथा जे. स्टाविन्स. 1998. ''हैज ऐन्टिट्रस्ट पॉलिसी इन बैंकिंग बिकम ऑबसोलीट?'' फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ बोस्टन, न्यू इंग्लैंड इकोनॉमिक रिव्यू (मार्च-अप्रैल), 13-26।

तलवार, एस.पी.2001. ''काम्पिटिशन, कनसोलिडेशन एंड सिस्टेमिक स्टेबिलिटी इन दि इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री.'' *बीआइएस पेपर्स,* अगस्त।

टिमोथी, एच. हन्नान तथा जे. नेल्ली लिआंग. 1991. ''इनफरिंग मार्केट पॉवर फ्रॉम टाइम-सिरीज डेटा : दि केस ऑफ दि बैंकिंग फर्म.'' *फाइनैंस एंड इकोनॉमिक्स डिस्कशन सिरीज 147,* बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ऑफ दि फेडरल रिज़र्व सिस्टम. (यू.एस.)।

उदेशी, किशोरी जे. 2004. ''इश्यूज इन बैंक रेग्युलेशन एंड सुपरविजन.'' *बीआइएस रिव्यू* 50/2004।

वंडेर, वेन्नेत आर. 2002. ''कॉस्ट एंड प्रॉफिट इफिशिएंसी ऑफ फिनैंशियल कांग्लोमरेट्स एंड यूनिवर्सल बैंक्स इन यूरोप.'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* खंड 34, सं.1 : 254-282।

व्यास, वी.एस. 2004. *रिपोर्ट ऑन दि फ्लो ऑफ क्रेडिट टू ऐग्रिकल्चर एंड रिलेटेड ऐक्टिविटीज.* जून।

विलमार्थ, जूनियर आर्थर ई. 2007. ''वाल-मार्ट एंड दि सेपरेशन ऑफ बैंकिंग एंड कॉमर्स.'' *कनेक्टिकट लॉ रिव्यू,* खंड 39. मई।

वर्ल्ड बैंक. 2005. वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट : *ए बेटर इनवेस्टमेंट क्लाइमेट फॉर एवरीवन.* वर्ल्ड बैंक, वॉशिंगटन, डी.सी.।

येयाति, इडूआर्डो लेवी तथा मिक्को, अलेजान्ड्रो. 2007. ''कॉनसेंट्रेशन एंड फारेन पेनेट्रेशन इन लैटिन अमेरिकन बैंकिंग सेक्टर्स : इम्पैक्ट ऑन कंपीटिशन एंड रिस्क.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* खंड. 31, सं.6 : 1633-1647।

यिल्डिरिम, एच.सेमिह तथा फिलिप्पटोज, जॉर्ज सी. 2007. ''रिस्ट्रक्चरिंग, कनसोलिडेशन एंड कंपीटिशन इन लैटिन अमेरिकन बैंकिंग मार्केट्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* खंड 31, सं.3:629-639. मार्च।

युआन, वाइ.2006. ''दि स्टेट ऑफ कंपीटिशन ऑफ दि चाइनीज बैंकिंग इंडस्ट्री.'' *जर्नल ऑफ एशियन इक्नॉमीज,* खंड 17 :519-534।

IX. भारत के बैंकिंग क्षेत्र की उत्पादन क्षमता तथा सुदृढ़ता

अली, एच.वाइ.,आर. ग्राबोव्स्की, सी. पसुरका, तथा एन. रंगन. 1990.''टेक्निकल, स्केल एंड अलोकेटिव इफिशिएंसीज इन यू.एस. बैंकिंग : ऐन इंपायरिकल इनवेस्टिगेशन.'' *रिव्यू ऑफ इक्नॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स,* 72(2): 211-218।

बैंकर, आर.डी., ए. चार्नेस तथा डब्ल्यू.डब्ल्यू. कूपर. 1984. ''सम मॉडेल्स फॉर एस्टिमेटिंग टेक्निकल एंड स्केल इनएफिशिएंसीज इन डेटा एनवेलपमेंट अनालिसिस.'' *मैनेजमेंट साइंस,* 30(9):1078-1092।

बर्र, आर., तथा टी. सिएम्स.1996. ''बैंक फेल्यूर प्रिडिक्शन यूजिंग डीईए टू मेजर मैनेजमेंट क्वालिटी.'' *फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ डल्लास वर्किंग पेपर।*

बेल, एफ.डब्ल्यू. तथा एन.बी.मरफी, 1968. ''इकोनामिक्स ऑफ स्केल एंड डिविजन ऑफ लेबर इन कामर्शियल बैंकिंग.'' *सदर्न इक्नॉमिक जर्नल,* 131-139. अक्तूबर।

बर्गर, ए.एन., डी. हनकॉक, तथा डी.बी. हंफरे. 1993. ''बैंक इफिशिएंसी डिराइव्ड फ्राम दि प्रॉफिट फंक्शन.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 17:317-47।

बर्गर, ए.एन., तथा डी.बी.हंफरे. 1997. ''इफिशिएंसी ऑफ फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशंस : इंटरनेशनल सर्वे एंड डाइरेक्शंस फॉर फ्यूचर रिसर्च.'' *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च,* 98:175-212।

बर्गर, ए.एन., तथा आर. डे. यंग. 1997. ''प्रॉब्लेम लोन्स एंड कॉस्ट इफिशिएंसी इन कामर्शियल बैंक्स.'' *फेडरल रिज़र्व बोर्ड फाइनैंस एंड इक्नॉमिक्स डिस्कशन सिरीज 8।*

बर्गर, ए.एन. तथा एल. जे. मेस्टर. 1997. ''इनसाइड दि ब्लैक बॉक्स : व्हॉट एक्सप्लेन्स डिफरेन्सेज इन दि इफिशिएंसीज ऑफ फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स.''*जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फइनैंस,* 21(7):895-947।

भट्टाचार्य, अंजना, अरुणव भट्टाचार्य तथा सुबल सी. कुंभकार. 1997. ''चैंजेज इन इक्नॉमिक रिजीम एंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ : ए स्टडी ऑफ इंडियन पब्लिक सेक्टर बैंक्स.'' *जर्नल ऑफ कंपरेटिव इक्नॉमिक्स,* 25(2):196-219।

भिडे, एम.जी., ए.प्रसाद तथा एस.घोष.2002. ''बैंकिंग सेक्टर रिफॉर्म्स : ए क्रिटिकल ओवरव्यू.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 37(5):399-408।

बिक्केर, जे.ए.2002. *इफिशिएंसी एंड कॉस्ट डिफरेन्सेज एक्रॉस कंट्रीज इन ए यूनिफाइड यूरोपियन बैंकिंग मार्केट.* डि नेदरलैंड बैंक।

कासोलरो, एल. तथा जी गोब्बी. 2004 ''इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्टिविटी चेंजेज इन दि इटालियन बैंकिंग इंडस्ट्री.'' बैंक डिटइटालिया, मार्च।

कासू, बार्बरा, क्लाडिया गिरार्डन, तथा फिलिप मोलिनेक्स. 2002. ''प्रोडक्टिविटी चेंज इन यूरोपियन बैंकिंग : ए कंपरिजन ऑफ पैरामेट्रिक एण्ड नॉन-पैरामेट्रिक अप्रोचेज.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 25(2):196-219।

चंद्रा, प्रसन्ना. 2004. *फाइनैंशियल मैनेजमेंट : थिअरी एंड प्रैक्टिस,* टाटा मैकग्रा हिल, नई दिल्ली।

चार्नेस, ए., डब्ल्यू.डब्ल्यू.कूपर, तथा ई. रोड्स. 1978. ''मेजरिंग दि इफिशिएंसी ऑफ डेसिज़न मेकिंग यूनिट्स.'' *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च,* 2(4):429-444।

कुएर्टा, आर.,तथा एल. ओरिया. 2002. ''मर्जर्स एंड टेक्निकल इफिशिएंसी इन स्पैनिश सेविंग्ज बैंक्स : ए स्टॉकैस्टिक डिस्टैन्स फंक्शन अप्रोच.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 26(12):2231.2247।

दास, ए.,ए. नाग तथा एस.सी.रे.2005. ''लिबरलाइज़ेशन, ओनरशिप एंड इफिशिएंसी इन इंडियन बैंकिंग : ए नॉनपैरामेट्रिक अनालिसिस.'' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 40(12):1190-1197।

दास,ए.,तथा एस. घोष. 2006. ''फिनैंशियल डिरेग्युलेशन एंड इफिशिएंसी : ऐन एंपिरिकल अनालिसिस ऑफ इंडियन बैंक्स ड्यूरिंग दि पोस्ट रिफॉर्म पीरियड.'' *रिव्यू ऑफ फिनैंशियल इकॉनॉमिक्स,* 15 : 193-221।

डेब्रू, जी.1951. ''दि कोइफिशिएंट ऑफ रिसोर्स यूटिलाइज़ेशन.'' *इकॉनॉमेट्रिका,* 19 : 273-92।

डिसूज़ा, ई. 2002.''हाऊ वेल हैव पब्लिक सेक्टर बैंक्स डन? ए नोट.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 37(9):867-870।

फारेल, एम.जे.1957. ''दि मेजरमेंट ऑफ प्रोडक्टिव इफिशिएंसी.'' *जर्नल ऑफ रॉयल स्टटिस्टिकल सोसाइटी,* 120(ए): 253-81।

घोष, सी.आर.तथा अन्य. 2004. *''स्ट्रटेजिक मॉडल्स फॉर रिपोज़िशनिंग ऑफ पब्लिक सेक्टर बैंक्स - क्रिएटिंग ग्लोबल विनर.''* बैनकॉन।

गोड्डार्ड, जे.ए., पी. मॉलिनेक्स, तथा जे.ओ.एस. विल्सन. 2001. *यूरोपियन बैंकिंग - इफिशिएंसी, टेक्नोलॉजी एंड ग्रोथ.* विले फाइनैंस, यूके।

गोमेज-गोन्ज़ालेज, जोस ई., निकोलस एम कैफर. 2006. *बैंक फेल्यूर : एविडेंस फ्रॉम दि कोलंबियन फिनैंशियल क्राइसिस.* कोरनेल यूनिवर्सिटी, इथाका, न्यू यॉर्क, यूएसए।

ग्रामले एल.ई. 1962. *ए स्टडी ऑफ स्केल इकोनॉमीज इन बैंकिंग.* फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ केन्सास सिटी, यूएसए।

ग्रीनबौम, एस.आइ.1967. ''ए स्टडी ऑफ बैंक कॉस्ट.'' *नेशनल बैंकिंग रिव्यू,* 4 (जून):415-434।

इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस. 2005. *फिनैंशियल मैनेजमेंट. मैकमिलन,* मुंबई।

इसिक, आइ., तथा एम. हसन. 2003. ''फिनैंशियल डिरेग्युलेशन एंड टोटल फैक्टर प्रोडक्टिविटी चेंज : ऐन एंपीरिकल स्टडी ऑफ तुर्किश कामर्शियल बैंक्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 27(8):1455-1485।

कपरकिस, ई.आइ., एस.एम.मिलर तथा ए.जी.नौलस.1994. ''शॉर्ट-रन कॉस्ट इनइफिशिएंसी ऑफ कामर्शियल बैंक्स : ए फ्लेक्सिबल स्टॉकैस्टिक फ्रंटियर अप्रोच.'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* 26 : 875-93।

कोलारी, जे. तथा ए. जर्दकूही. 1987. *बैंक कॉस्ट, स्ट्रक्चर एंड परफार्मेन्स. लेक्सिंगटन बुक्स, लेक्सिंगटन,* यूएसए।

मैथ्यूज़, के., तथा एम. इस्माइल. 2006.''इफिशिएंसी एंड प्रोडक्टिविटी ग्रोथ ऑफ डोमेस्टिक एंड फॉरेन कामर्शियल बैंक्स इन मलेशिया.'' *कार्डिफ बिज़नेस स्कूल वर्किंग पेपर सिरीज़।*

माथुर, के.बी.एल. 2005. ''मार्केट ओरिएंटेशन ऑफ फिनैंशियल सेक्टर.'' *इकोनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली,* मार्च 19 : 1136-1140।

मोहन, राकेश. 2005. ''फिनैंशियल सेक्टर इन इंडिया.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* मार्च 19।

——. 2006ए.''बैंकिंग में सुधार, उत्पादकता एवं दक्षता : भारतीय अनुभव.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* फरवरी।

——. 2006बी . ''बैंकिंग में सुधार, उत्पादकता एवं दक्षता : भारतीय अनुभव.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* मार्च:279-293।

मॉलिनेक्स, पी.,वाइ. अल्टनबस, तथा ई.गार्डनर.1996. *इफिशिएंसी इन यूरोपियन बैंकिंग.* जॉन विले एंड सन्स।

मरफी, 1972. कॉस्ट ऑफ बैंकिंग एक्टिविटीज : इंटरैक्शन बिट्वीन रिस्क एंड आपरेटिंग कॉस्टः ए कमेंट, *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* 4, अगस्त : 14-15।

ओस्टर, ए. तथा एल. ऐंटिओच. 1995. ''मेजरिंग प्रोडक्टिविटी इन दि ऑस्ट्रेलियन बैंकिंग सेक्टर.'' रिज़र्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया।

पोडपिएरा, ए., तथा जे. पोडपिएरा. 2005. ''डिटिरिओरेटिंग कॉस्ट इफिशिएंसी इन कामर्शियल बैंक्स सिग्नल्स ऐन इनक्रीजिंग रिस्क ऑफ फेल्यूर.'' *सीएनबी वर्किंग पेपर सिरीज,* दिसंबर।

रे, एस., 2004. *डेटा एनवेलपमेंट अनालिसिस : थिअरी एंड टेकनिक्स फॉर ऑपरेशन्स रिसर्च एंड इकोनॉमिक्स.* कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कैंब्रिज, यूके।

रेड्डी, वाइ.वी. 2002. ''मॉनिटरी एंड फिनैंशियल सेक्टर रिफॉर्म्स इन इंडिया : ए प्रैक्टिशनर्स परस्पेक्टिव.'' इंडियन इकोनॉमी कॉनफरेन्स, कॉरनेल यूनिवर्सिटी, यूएसए में किया गया प्रस्तुतीकरण।

——. 2006 ''भारत में उत्पादकता का महत्व.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन,* जनवरी।

भारतीय रिज़र्व बैंक. 2003. *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट,* मुंबई।

रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूजीलैंड. कैपिटल अडिक्वैसी रेशियोज फॉर बैंक्स - सिंप्लीफाइड एक्सप्लेनेशन एंड एक्जाम्पल ऑफ कलक्यूलेशन।

रॉस्सी, एस.पी.एस., एम. श्च्वाइगर, तथा जी. विंकलर. 2005. ''मैनेजीरियल बिहेविअर एंड कॉस्ट / प्रॉफिट इफिशिएंसी इन दि बैंकिंग सेक्टर्स ऑफ सेंट्रल एंड ईस्टर्न यूरोपियन कंट्रीज.'' *वर्किंग पेपर* 96।

श्च्वाइगर, आइ. तथा जे. एस. मैकगी. 1961. ''शिकागो बैंकिंग.'' *जर्नल ऑफ बिजनेस,* 34(3) : 203-366।

सौज़ा, सोब्रीन्हो तथा एफ.नेल्सन. 2007. ''दि मैक्रोइकोनॉमिक्स ऑफ बैंक इंटरेस्ट स्प्रेड्स : एविडेन्स फ्रॉम ब्राज़ील.'' *यूसीएलए वर्किंग पेपर।*

X. बैंकिंग में विनियामक एवं पर्यवेक्षी चुनौतियां

अब्राम्स, के. रिचर्ड तथा माइकेल डब्ल्यू.टेलर. 2000. ''इश्यूज इन दि यूनिफिकेशन ऑफ फिनैंशियल सेक्टर सुपरविजन.'' *आइएमएफ वर्किंग पेपर,* डब्ल्यूपी/00/213. दिसंबर।

अड्रियन, टोबिआस तथा ह्युन सांग शिन, 2008. ''फिनैंशियल इंटरमीडिअरीज, फिनैंशियल स्टेबिलिटी एंड मॉनिटरी पॉलिसी.'' ''मेनटेनिंग स्टेबिलिटी इन ए चेंजिंग फिनैंशियल सिस्टम'' पर फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ केन्सास सिटी सिंपोजियम के लिए पेपर, अगस्त 21-23।

अलवर्थ, जे.एस. तथा एस. भट्टाचार्य. 1998. *''दि इमर्जिंग फ्रेमवर्क ऑफ बैंक रेग्युलेशन* एंड कैपिटल कंट्रोल.'' इमर्जिंग फ्रेमवर्क ऑफ फिनैंशियल रेग्युलेशन (इडी)में, सी.ए.ई. गुडहार्ट. सेन्ट्रल बैंकिंग पब्लिकेशन्स।

अयाडि, रिम तथा पुजल्स, जॉर्ज्स. 2004. ''बैंकिंग कनसोलिडेशन इन दि यूरोपियन यूनियन, ओवरव्यू एंड प्रॉस्पेक्ट्स.'' *रिसर्च रिपोर्ट इन फाइनैंस एंड बैंकिंग.* सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी स्टडीज (सीईपीएस), सं.34, अप्रैल।

बगेहाट, वॉल्टर 1873. *लोंबार्ड स्ट्रीट. ए डिस्क्रिप्शन ऑफ दि मनी मार्केट.* लंदन।

बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स.1988. *इंटरनेशनल कन्वर्जेन्स ऑफ कैपिटल मेजरमेंट एंड बैंकिंग स्टैंडर्ड्स.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति।

——. 1997 *कोर प्रिन्सिपल्स फॉर इफेक्टिव बैंकिंग सुपरविजन.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति, पब्लिकेशन 30।

——. 1998. *एनहांसिंग बैंक ट्रान्सपरेन्सी.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति, पब्लिकेशन 41।

——. 2002. *ओवरव्यू पेपर फॉर दि इम्पैक्ट स्टडी.* बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति।

——. 2003ए. *मैनेजमेंट एंड सुपरविजन ऑफ क्रॉस-बार्डर इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग ऐक्टिविटीज।*

——. 2003 बी. *रिस्क मैनेजमेंट प्रिंसिपल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग.* जुलाई।

बेरिंग, फ्रांसिस. 1797. *ऑब्जर्वेशन्स ऑन दि एस्टैब्लिशमेंट ऑफ दि बैंक ऑफ इंग्लैंड एंड ऑन पेपर सर्कुलेशन ऑफ दि कंट्री.* लंदन : मिनेर्वा प्रेस।

बार्थ, जेम्स आर., कैप्रियो जूनि., जी., तथा रॉस लेवाइन. 2001. ''बैंकिग सिस्टम्स अराडंड दि ग्लोब : रेग्युलेशन्स एंड ओनरशिप अफेक्ट परफार्मेन्स एंड स्टेबिलिटी?'' प्रूडेन्शियल सुपरविजन : व्हॉट वर्क्स एंड व्हॉट अजन्ट में 31-88. (सं.) एफ.एस. मिश्किन, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस।

——. 2006. रीथिंकिंग बैंक रेग्युलेशन : *टिल ऐंजेल्स गवर्न.* न्यूयॉर्क : कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

बार्थ, जेम्स आर., रोब कोएप्प तथा झोंगफेई झोउ. 2004. ''इन्स्टिट्यूट व्यू : डिसिप्लिनिंग चाइनाज बैंक्स.'' मिल्केन इन्स्टिट्यूट रिव्यू : *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी,* दूसरी तिमाही, 83-92।

बेनस्टोन, जी.जे. 2000. ''इज गवर्नमेंट रेग्युलेशन ऑफ बैंक्स नेसेसरी?'' जर्नल ऑफ फिनैंशियल सर्विसेज रिसर्च, 18(2-3)।

बेनस्टोन, जी.जे. तथा कौफमान, जी.जी. 1988. ''रिस्क एंड सोल्वेन्सी रेग्युलेशन ऑफ डिपॉजिटरी इन्स्टिट्यूशन्स : पास्ट पॉलिसीज एंड करेंट ऑप्शन्स.'' *मोनोग्राफ,* सालोमन ब्रदर्स सेंटर, ग्रेज्यूएट स्कूल ऑफ बिज़नेस, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी।

——. 1996. ''दि अप्रोप्रिएट रोल ऑफ बैंक रेग्युलेशन.'' *दि इकोनॉमिक जर्नल* 106(436) : 688-697।

बर्गर, ए.एन., हेनकॉक, डी. तथा ह्रेफे, डी.बी. 1993. ''बैंक इफिशिएंसी डिराइब्ड फ्रॉम दि प्रॉफिट फंक्शन.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 17 : 317-47।

बर्गर, ए.एन., विलियम हंटर, तथा स्टीफेन टिम्मे. 1993. ''दि इफिशिएंसी ऑफ फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स : ए रिव्यू एंड प्रिव्यू ऑफ रिसर्च पास्ट, प्रजेंट, एंड फ्यूचर.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 17:221-249।

बर्गर, ए.एन., तथा ग्रेगोरी उडेल.1996. ''यूनिवर्सल बैंकिंग एंड दि फ्यूचर ऑफ स्माल बिज़नेस लेंडिंग. यूनिवर्सल बैंकिंग : फिनैंशियल सिस्टम डिजाइन रिकनसिडर्ड (सं.)1 में. वाल्टर तथा ए. साउंडर्स, 559-627, शिकागो।

बर्गर, ए.एन., रिचर्ड जे. हेरिंग, तथा गिओर्गिओ पी स्जेगो. 1995. ''दि रोल ऑफ कैपिटल इन फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 19 : 257-276।

बेनकि बी.एस. तथा एम.एल. गर्टलर. 1995. ''इनसाइड दि ब्लैक बॉक्स : दि क्रेडिट चैनल ऑफ मॉनिटरी पॉलिसी ट्रान्समिशन.'' *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक परस्पेक्टिव्ज़,* 9 (फॉल) : 27-48।

ब्लाइंडर, अलन एस., तथा रॉबर्ट एफ, वेस्कॉट. 2001. *रिफॉर्म ऑफ डिपॉजिट इन्शूरेन्स : ए रिपोर्ट टू दि एफडीआइसी.* मार्च।

ब्लम, जे.एम. 2002 ''सब-आर्डिनेटेड डेट, मार्केट डिसिप्लिन, एंड बैंक्स रिस्क टेकिंग.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 26 (7) : 1427-1441।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ऑफ दि फेडरल रिज़र्व सिस्टम. 1999. *यूजिंग सबऑर्डिनेटेड डेट ऐज ऐन इन्स्ट्रूमेंट ऑफ मार्केट डिसिप्लिन.* स्टडी ग्रुप ऑन सबऑर्डिनेटेड नोट्स एंड डिबेंचर्स, दिसंबर।

बूट, अरनौड डब्ल्यू.ए. तथा अंजन वी.ठाकोर. 1993. ''सेल्फ-इंटरेस्टेड बैंक रेग्युलेशन.'' *दि अमेरिकन इकोनॉमिक रिव्यू,* 83(2): 206-212।

बॉइड, जे.एच.,चांग, सी., तथा बी.डी.स्मिथ. 1998. ''मॉरल हजार्ड अंडर कामर्शियल एंड यूनिवर्सल बैंकिंग.'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग,* 30(3.2):426-468।

बूइटर, विलेम एच. 2008. ''सेंट्रल बैंक्स एंड फिनैंशियल क्राइसेस.'' ''मेनटेनिंग स्टेबिलिटी इन ए चेंजिंग फिनैंशियल सिस्टम'' पर दि फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ केन्सास सिटी सिपोजियम के लिए पेपर, अगस्त 21-23।

ब्रिआल्ट क्लाइव. 1999. ''दि राशनेल फॉर ए सिंगल नेशनल फिनैंशियल सर्विसेज रेग्युलेटर.'' *ऑकेजनल पेपर सिरीज* 2, फिनैंशियल सर्विसेज अथॉरिटी, यूके, मई।

कालोमिरिस, चार्ल्स डब्ल्यू. ''फिनैंशियल फैक्टर्स इन दि ग्रेट डिप्रेशन.'' *दि जर्नल ऑफ इकोनॉमिक परस्पेक्टिव्ज*, 7(2) (स्प्रिंग) :61-85।

——. 1999. ''बिल्डिंग ऐन इनसेंटिव-कंपैटिबल सेफ्टी नेट.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 23 : 1499-1519।

कालोमिरिस, चार्ल्स डब्ल्यू., तथा बेरी विल्सन. 1998. ''बैंक कैपिटल एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट : दि 1930ज कैपिटल क्रंच एंड स्क्रैम्बल टु शेड रिस्क.'' *एनबीईआर वर्किंग पेपर* स.6649, जुलाई।

कामा, जेड.जे.2002. *रिपोर्ट ऑफ दि वर्किंग ग्रुप ऑन इलेक्ट्रानिक मनी.* जुलाई।

कैप्रियो, लेवाइन तथा बार्थ. 2004. ''बैंक रेग्युलेशन एंड सुपरविजन : व्हॉट वर्क्स बेस्ट.'' *जर्नल ऑफ फिनैंशियल इंटरमीडिएशन,* 12:205-248।

सेन्ट्रल बैंकिंग पब्लिकेशन्स. 2008. *हाऊ कंट्रीज सुपरवाइज देयर बैंक्स, इंश्यूरर्स एंड सिक्यूरिटीज मार्केट्स 2008: दि हू एंड हाऊ ऑफ फिनैंशियल सुपरविजन इन मोअर दैन 190 जूरिस्डिक्शन्स.* लंदन : इनसिजिव मीडिया हेमार्केट हाउस।

चान, यूक-शी; ग्रीनबौम, स्टुआर्ट I तथा ठाकोर, अंजन वी.1992 ''इज फेअर्ली प्राइस्ड डिपोजिट इंश्यूरेन्स पॉसिबल?'' *दि जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 47(1), मार्च।

क्लसेन्स तथा क्लिंगेबिएल.2000. ''अल्टरनेटिव फ्रेमवर्क्स फॉर प्रोवाइडिंग फिनैंशियल सर्विसेज.'' *वर्ल्ड बैंक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर* 2189, नवंबर।

कोरडेला, टी. तथा ई.एल. येयाति. 1998. ''पब्लिक डिसक्लोजर एंड बैंक फेल्यूर्स.'' *आइएमएफ स्टाफ पेपर्स,* 45।

कूरी,ई.,जे. डेथिएर तथा ई.टोगो.2003.''इन्स्टिट्यूशनल अरेंजमेंट्स फॉर पब्लिक डेट मैनेजमेंट.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर* 3021, विश्व बैंक।

डेमिरगुक-कुंट, असली, तथा एडवर्ड काणे. 2002. ''डिपॉजिट इंश्यूरेंस अराउंड दि ग्लोब : व्हेयर डज इट वर्क?.'' *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पर्स्पेक्टिव्ज,* 16(2): 175-195।

डेमिरगुक-कुंट, असली, कराकाओवल्ली तथा लुक लीवेन.2005. ''डिपॉजिट इंश्यूरेंस अराउंड दि वर्ल्ड : ए कॉम्प्रिहेंसिव डेटाबेस.'' *पॉलिसी रिसर्च पेपर सं.3628,* विश्व बैंक, जून।

डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी. 2008. *ब्ल्यू प्रिंट फॉर ए मॉडर्नाइज्ड फिनैंशियल रेग्युलेटरी स्ट्रक्चर.*यूएसए, मार्च।

डेवेट्रिपांट, मथियास, तथा जीन तिरोले. 1994. *दि प्रूडेन्शियल रेग्युलेशन ऑफ बैंक्स.* कैंब्रिज : कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

दि नोइया, सी तथा डि गिओर्गिओ, जी.1999. ''शुड बैंक सुपरविजन एंड मॉनिटरी पॉलिसी टास्क्स बी गिवेन टू डिफरेंट एजेन्सीज?'' *इंटरनेशनल फाइनैंस,* 2(3): 361-378, नवंबर।

द्जान्कोन, सीमेओन, राफेल ला पोर्टा, एफ.लोपेज-डि-सिलानेस, तथा ए. श्लेफर. 2002. ''दि रेग्युलेशन ऑफ एन्ट्री.'' *क्वार्टर्ली जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स,* 117(1):1-37।

डाउ, एस.सी., तथा जे. स्मिदिन.1993. ''चेंज इन फिनैंशियल मार्केट्स एंड दि फर्स्ट प्रिंसिपल्स ऑफ मॉनिटरी इकोनॉमिक्स.'' *मिमेओ,* यूनिवर्सिटी ऑफ स्टर्लिंग तथा यार्क यूनिवर्सिटी, ओंटारिओ।

डाउड, केविन. 1993. *लैसेज-फैअर बैंकिंग. लंदन* : राउटलेज।

——. 1996 ''दि केस फॉर फिनैंशियल लैसेज-फैअर.'' *दि इकोनॉमिक जर्नल,* 106(436):679-687।

इजफिंगर, एस.सी.डब्ल्यू.2001. ''शुड दि यूरोपियन सेंट्रल बैंक बी एंट्रस्टेड बिथ बैंकिंग सुरपरविजन इन यूरोप?'' यूरोपीय संसद के लिए *''दि कंडक्ट ऑफ मॉनिटरी पॉलिसी एंड ऐन इवैल्यूएशन ऑफ दि इकोनॉमिक सिचुएशन इन यूरोप - दूसरी तिमाही''* पर ब्रीफिंग पेपर, मई।

फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ सैनफ्रान्सिस्को (एफआरबीएसएफ) इकोनॉमिक लेटर. 2002. ''दि प्रॉमिस एंड लिमिट्स ऑफ मार्केट डिसिप्लिन इन बैंकिंग.'' नं.36, दिसंबर 13।

फीबिग, एम. 2001. *प्रूडेन्शियल रेग्युलेशन एंड सुपरविजन फॉर ऐग्रिकल्चरल फाइनैंस,* इटालिया. एफएओ/जीटीजेड.

फिनैंशियल सर्विसेज अथॉरिटी. 2007. *प्रिन्सिपल्स-बेस्ड रेग्युलेशन-फोकसिंग ऑन दि आउटकम्स दैट मैटर.* यूके, अप्रैल।

फिशर, के. तथा जे. गूयी. 1995. ''फिनैंशियल लिबरलाइज़ेशन एंड बैंक सॉलवेन्सी.'' *वर्किंग पेपर,* यूनिवर्सिटी ऑफ लावल, क्यूबेक।

फ्रीक्सास, एक्स. तथा ऐंटनी सैंटोमेरो.2002.''ऐन ओवरऑल परस्पेक्टिव ऑन बैंकिंग रेग्युलेशन.'' *वर्किंग पेपर,* रिसर्च डिपार्टमेंट, फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ फिलाडेल्फिया।

फ्रीडमैन, मिल्टन, तथा अन्ना जैकोबसन स्च्वार्ट.1963. *ए मॉनिटरी हिस्ट्री ऑफ दि यूनाइटेड स्टेट्स, 1867-1960. नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च,* प्रिन्सटन एन जे:प्रिन्सटन यूनिवर्सिटी प्रेस।

फ्रोलोव, मिखाइल. 2004. ''फंडिंग डिपॉजिट इन्शुरेन्सः डिजाइनिंग ऑप्शन्स एंड प्रैक्टिकल चॉइसेज़.'' *केयूएमक्यूआरपी डिस्कशन पेपर सिरीज़,* डीपी 2003-21, कियो यूनिवर्सिटी, मार्केट क्वालिटी रिसर्च प्रोजेक्ट, फरवरी।

जॉर्जेस, डिओन्ने. 2003. ''दि फाउंडेशन्स ऑफ बैंक्सट रिस्क रेग्युलेशन : ए रिव्यू ऑफ दि लिटरेचर.'' बैंक ऑफ कनाडा के सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर, दि इवॉल्विगं फिनैंशियल सिस्टम एंड पब्लिक पॉलिसी. ओट्टावा, दिसंबर।

गेरश्चेनक्रोन, ए. 1962. *इकोनॉमिक बैकवर्डनेस इन हिस्टोरिकल परस्पेक्टिव : ए बुक ऑफ एसेज.* कैंब्रिज : एमए : बेल्कनैप प्रेस ऑफ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

गिव, जॉन. 2008. ''दि रिटर्न ऑफ दि क्रेडिट साइकल - ओल्ड लेसन्स इन न्यू मार्केट्स.'' यूरोमनी बांड इनवेस्टर्स कांग्रेस में, लंदन, फरवरी।

जेडरेम, स्वेइन. 2007. ''टर्ब्यूलेन्स इन क्रेडिट मार्केट्स - मॉर्टगेज फाइनैंसिंग ऐट होम एंड अब्रॉड.'' नॉर्वेजियन सेविंग्ज बैंक्स असोसिएशन की वार्षिक बैठक में, हामर, अक्तूबर।

गुडहार्ट, सी.ए.ई. 1998. ''ऐन इनसेंटिव स्ट्रक्चर फॉर फिनैंशियल रेग्युलेशन.'' *दि इमर्जिंग फ्रेमवर्क ऑफ फिनैंशियल रेग्युलेशन* (सं.) में, सी.ए.ई. गुडहार्ट, सेंट्रल बैंकिंग पब्लिकेशन्स।

——. 2000ए. ''ह्विदर सेंट्रल बैंकिंग?'' 11वां सी.डी. देशमुख स्मारक भाषण, भा.रि.बैंक, दिसंबर, मुंबई।

——. 2000बी. ''दि ऑर्गनाइजेशनल स्ट्रक्चर ऑफ बैंकिंग सुपरविजन.'' *ऑकैजनल पेपर नं.*1, बासेल, स्विटजरलैंड, एफएसआइ, नवंबर।

गुडहार्ट, सी.ए.ई. तथा डिर्क शूनमेकर. 1993. ''इन्स्टिट्यूशनल सेपरेशन बिट्वीन सुपरवाइजरी एंड मॉनिटरी एजेन्सीज.'' *एलएसई फिनैंशियल मार्केट्स ग्रुप स्पेशल पेपर नं.52।*

——. 1995. ''शुड दि फंक्शन्स ऑफ मॉनिटरी पॉलिसी एंड बैंकिंग सुपरविजन बी सेपरेटेड?'' *ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक पेपर्स,* 47:539-560।

गुडहार्ट, सी.ए.ई., पी.हर्टमन, डी.लेवेलिन, एल.रोजस, सुअरेज तथा एस.वीसब्रॉड. 1998. ''दि इन्स्टिट्यूशनल स्ट्रक्चर ऑफ फिनैंशियल रेग्युलेशन.'' *फिनैंशियल रेग्युलेशन, व्हाई, हाऊ एंड व्हेअर नाउ?* सी.ए.ई. गुडहर्ट (सं.) में, लंदन : राउटलेज पब्लिकेशन।

गॉर्टन, गैरी, तथा ऐंड्रयू विंटन. 2000. ''लिक्विडिटी प्रॉविजन एंड कॉस्ट ऑफ बैंक कैपिटल, एंड दि मैक्रोइकोनॉमी.'' *इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड सेमिनार सिरीज पेपर,* सं.22:1-43।

गवर्नमेंट ऑफ यूके. 2008. *नोटिफिकेशन ऑन टेंपरेरी पब्लिक ओनरशिप ऑफ नॉर्दर्न रॉक.* फरवरी 22।

ग्रीनस्पैन, अलन. 1997. *रिमार्क्स ऐट दि कॉनफरेन्स ऑन बैंक स्ट्रक्चर एंड कंपीटिशन ऑफ दि फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ शिकागो.* शिकागो, इलिनोइस, मई।

गुएनबर्ग, मार्टिन जे. 2007. *दि इंटरनेशनल रोल ऑफ डिपॉजिट इन्शुरेन्स.* दि एक्सचेकर क्लब. वॉशिंगटन डी.सी., नवंबर।

इंगवेस, स्टेफन. 2007. '' *रेग्युलेटरी* चैलेंजेज ऑफ क्रॉस-बॉर्डर बैंकिंग - पॉसिबल वेज फॉरवर्ड.'' बीआइएस वेबसाइट, www.bis.org.

लोन्निडाऊ, वास्सो पी. 2003. ''डज मॉनिटरी पॉलिसी अफेक्ट दि सेन्ट्रल बैंक्स रोल इन बैंक सुपरविजन?'' जर्नल ऑफ फिनैंशियल इंटरमीडिएशन, 14: 58-85, सितंबर।

जॉन, कोसे, टेरेसा ए. जॉन, तथा ऐंथोनी सौंडर्स. 1994. ''यूनिवर्सल बैंकिंग एंड फर्म रिस्क टेकिंग.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 18 (2): 307-323।

जॉइन्ट फोरम ऑन फिनैंशियल कांग्लोमरेट्स. 1999. *सुपरविजन ऑफ फिनैंशियल कोंग्लोमरेट्स.* फरवरी।

जॉर्डन, जॉन एस., जो पीक, तथा एरिक एस. रोसेनग्रेन. 2000. ''दि मार्केट रिऐक्शन टू दि डिसक्लोजर ऑफ सुपरवाइजरी ऐक्शन्स : इम्प्लीकेशन्स फॉर बैंक ट्रांसपरेन्सी.'' जर्नल ऑफ फिनैंशियल इंटरमीडिएशन, 9(3): 298-319।

काने, एडवर्ड जे. 1981. ''ऐक्सिलरेटिंग इनफ्लेशन, टेक्नॉलॉजिकल इन्नोवेशन, एंड दि डिक्रीजिंग इफेक्टिवनेस ऑफ बैंकिंग रेग्युलेशन''. *जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 36(2).355-367।

——. 1990. *दि एस एंड एल इन्शुरेन्स मेस : हाऊ डिड इट हैपेन?* अर्बन इन्स्टिट्यूट प्रेस, वॉशिंगटन डी.सी.।

कीले, एम.सी. तथा एफ.टी. फर्लांग. 1990. ''ए रिएक्जामिनेशन ऑफ मीन-वैरिऐन्स अनालिसिस ऑफ बैंक कैपिटल रेग्युलेशन्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 14 :69-84।

कीले, एम.सी.1990. ''डिपॉजिट इन्शुरेन्स रिस्क एंड मार्केट पॉवर इन बैंकिंग''. *अमेरिकन इकोनॉमिक रिव्यू,* 80(5): 1183-1200।

केटचा जूनि., निकोलस जे. 1999. ''डिपॉजिट इन्शुरेन्स सिस्टम डिजाइन एंड कनसिडरेशन्स''. *बीआइएस पॉलिसी पेपर्स* सं.7, नवंबर।

किंग मेरविन. 2007. ''मॉनिटरी पॉलिसी डेवलपमेंट्स.'' नॉर्थन आयरलैंड चेंबर ऑफ कॉमर्स तथा इंडस्ट्री में, बेलफास्ट. अक्तूबर।

क्वान, साइमन एच. 2002. ''दि प्रॉमिस एंड लिमिट्स ऑफ मार्केट डिसिप्लिन इन बैंकिंग.'' फेडरल रिज़र्व बैंक ऑफ सैन फ्रान्सिस्को (एफआरबीएसएफ), *इकोनॉमिक लेटर्स,* नंबर 36, दिसंबर।

ला पोर्टा, राफेल, एफ.लोपेज-डि-सिलेन्स, तथा ए. श्लीफर. 2002. ''गवर्नमेंट ओनरशिप ऑफ कमर्शियल बैंक्स.'' *दि जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 57 (1): 265-301।

लीवेन, लुक.2002 ''प्राइसिंग ऑफ डिपॉजिट इन्शुरेन्स.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर,* सं.2871, विश्व बैंक, जुलाई।

लीलाधर, वी.2007. ''भारत में बैंककारी विनियमन का विकास - कुछ पहलुओं का पूर्वावलोकन''. *भा.रि.बैंक बुलेटिन*।

लेवेलिन, डेविड टी. 2000.''सम लेसन्स फॉर रेग्युलेशन फ्रॉम रिसेंट बैंक क्राइसेस.'' *ओपेन इकोनॉमीज़ रिव्यू,* खंड 11, अनुपूरक 1, अगस्त।

मेकलाच्लन, फिओना सी. 2001. ''मार्केट डिसिप्लिन इन बैंक रेग्युलेशन पनासिआ ऑर पैराडॉक्स?'' *दि इंडिपेंडेंट रिव्यू,* खंड. VI, सं.2, फॉल : 227-234।

मालकोनेन, विल्ले. 2004. ''कैपिटल अडिक्वैसी रेग्युलेशन एंड फिनैंशियल कांग्लोमरेट्स.'' *बैंक ऑफ फिनलैंड रिसर्च डिस्कशन पेपर* सं.10, गवर्नमेंट ऑफ दि रिपब्लिक ऑफ फिनैंशियल - गवर्नमेंट इन्स्टिट्यूट फॉर इकोनॉमिक रिसर्च।

मलिक, वी.2001. *रिपोर्ट ऑफ दि वर्किंग ग्रुप ऑन कनसोलिडेटेड अकाउंटिंग एंड अदर क्वांटिटेटिव मेथड्स टू फेसिलिटेड कनसोलिडेटेड सुपरविजन.* दिसंबर।

मार्टिनेज, जोस डे लूना तथा थॉमस ए रोज.2003. ''इंटरनेशनल सर्वे ऑफ इंटीग्रेटेड फिनैंशियल सेक्टर सुपरविजन.'' *पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर* 3096, विश्व बैंक. जुलाई।

मार्टिनेज-पेरिया, मारिया सोलेडैड तथा सेरगियो श्मुकलेर. 2001. ''डू डिपॉजिटर्स पनिश बैंक्स फॉर बैड विहेवियर? मार्केट डिसिप्लिन, डिपॉजिट इन्शुरेन्स एंड बैंकिंग क्राइसेस.'' *दि जर्नल ऑफ फाइनैंस*, 56(3):1029-1051।

मेमोरैंडम फ्रॉम दि एफएसए, यूके टू दि ट्रेजरी कमिटी. 2007. गवर्नमेंट ऑफ यूके।

मेरिक, जॉन जे. जूनि. तथा ऐंथोनी, सौंडर्स.1985. ''बैंक रेग्युलेशन एंड मॉनिटरी पॉलिसी.'' *जर्नल ऑफ मनी, क्रेडिट एंड बैंकिंग*, 17(4):691-717।

मेरटन, आर.सी. तथा बोडी, जेड., 1993. ''डिपॉजिट इन्शुरेन्स रिफॉर्म : ए फंक्शनल अप्रोच.'' *कारनेजी रोचेस्टर कॉनफ्रेंस सिरीज ऑन पब्लिक पॉलिसी* '' 38(जून) (सं.) में, मेल्टजर, ए. तथा सी. प्लोसर।

——. 1995. *ए कन्सेप्च्युअल फ्रेमवर्क फॉर अनलाइजिंग दि फिनैंशियल एनवायरनमेंट, दि ग्लोबल फिनैंशियल सिस्टम - ए फंक्शनल परस्पेक्टिव.* हावर्ड बिजनेस स्कूल प्रेस।

मेर्टन, रॉबर्ट सी. 1995.''फिनैंशियल इन्नोवेशन एंड दि मैनेजमेंट एंड रेग्युलेशन ऑफ फिनैंशियल इन्स्टिट्यूशन्स.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 19(3-4) : 461-481।

मेयेर, लॉरेन्स एच.1999. ''मार्केट डिसिप्लिन ऐज ए कंप्लीमेंट ऑफ बैंकिंग सुपरविजन एंड रेग्युलेशन.'' रिफॉर्मिंग बैंक कैपिटल स्टैंडर्ड्स पर आयोजित सम्मेलन में दी गई टिप्पणियां, न्यूयॉर्क, जून।

मिस्ट्री, पर्सी. 2003. *ट्रेन्ड्स इन इंटरनेशलन फिनैंशियल सिस्टम रेग्युलेशन एंड सुपरविजन.* कॉमनवेल्थ सचिवालय।

मोहन, राकेश. 2004 ''भारत के निजी क्षेत्र के बैंकों का स्वामित्व तथा अभिशासन.'' *भा.रि.बैंक बुलेटिन*, अक्तूबर।

——. 2007. ''भारत के वित्तीय क्षेत्र के सुधार : जोखिम नियंत्रण के साथ वृद्धि को प्रोत्साहन''. *भारिबैंक बुलेटिन*, दिसंबर।

मोर, नचिकेत तथा आर.आर. नित्सुरे. 2002. ''ऑर्गनाइजेशन ऑफ रेग्युलेटरी फंक्शन्स : ए सिंगल रेग्युलेटर?'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड XXXVII, फरवरी।

मूलिन्यूएक्स.2008. ''ब्रिटिश बैंकिंग रेग्युलेशन एंड सुपरविजन : बिट्वीन ए रॉक एंड ए हार्ड प्लेस.'' *इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स एंड इकोनॉमिक पॉलिसी*, 4(4), फरवरी।

नित्सुरे, आर.आर. 2003. ''ई-बैंकिंग चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 38(51-52):5377-5381।

नसौली, सालेह. एम. तथा स्चाएस्टर, ऐंड्रिया, 2002. ''चैलेंजेज ऑफ दि ई-बैंकिंग रिवैल्यूएशन.'' *फाइनैंस एंड डेवलपमेंट,* 39(3), सितंबर।

पेन्न, फिलिप एच.2007. ''एनहान्सिंग एंड स्ट्रेंदेनिंग बैंकिंग सुपरवाइजरी कैपेबिलिटीज इन पैसिफिक कंट्रीज.'' पैसिफिक रिजनल बैंकिंग सुपरविजन सेमिनार में, अपिया समोआ, अक्तूबर।

पेन्नाच्ची, जॉर्ज जी. 2005. ''रिस्क-बेस्ड कैपिटल स्टैंडर्ड्स, डिपॉजिट इन्शुरेन्स, एंड प्रोसाइक्लिकलिटी.'' *जर्नल ऑफ फिनैंशियल इंटरमीडिएशन,* 14(4) : 432-465।

क्विन्टीन, मार्क तथा टेलर, माइकेल डब्ल्यू.2004. ''शुड फिनैंशियल सेक्टर रेग्युलेटर्स बी इंडिपेंडेंट?'' *इकोनॉमिक इश्यूज*, 32, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड।

राज, जनक. 2005.''इज देअर ए केस फॉर ए सुपर रेग्युलेटर इन इंडिया? इश्यूज एंड ऑप्शन्स.'' *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड XLI, सं.35, 3846-3855, अगस्त 27 - सितंबर 2।

रमेश, एम.आर. 2002. *रिपोर्ट ऑफ दि वर्किंग ग्रुप फॉर सजेस्टिंग ऑपरेशनल एंड प्रूडेन्शियल गाइडलाइन्स स्ट्रिप्स.* जुलाई।

रेड्डी, वाइ.वी. 2007. ''वैश्विक विकास तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य : कुछ यादृच्छिक विचार''. नवंबर 27 को बैंकर सम्मेलन, मुंबई में दिया गया समापन भाषण।

——. 2008. ''ग्लोबल फिनैंशियल टर्ब्यूलेन्स एंड फिनैंशियल सेक्टर इन इंडिया : ए प्रैक्टिशनर्स परस्पेक्टिव''. इनिशिएटिव फॉर पॉलिसी डायलॉग द्वारा मानचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम, में 1 जुलाई को आयोजित वित्तीय बाजार विनियमन पर गठित टास्क फोर्स की बैठक में दिया गया भाषण ।

भारतीय रिज़र्व बैंक. 1999. *इंटरनेट बैंकिंग पर रिपोर्ट.* जून।

——. 2002. *त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई पर चर्चा पत्र.* जुलाई।

——. 2001. *भारत में इंटरनेट बैंकिंग - दिशा-निर्देश.* जून।

——. 2004. *वित्तीय संगुटों की निगरानी पर रिपोर्ट.* जून।

——. 2005 *क. विदेशी बैंकों के लिए रोडमैप तथा स्वामित्व संबंधी दिशा-निर्देश,* फरवरी।

——. 2005 *ख. भारत में इंटरनेट बैंकिंग - दिशा-निर्देश.* जुलाई।

——. 2007. *बैंकिंग समूहों में धारक कंपनियों पर चर्चा पत्र.* अगस्त।

रोचेट, जीन-चार्ल्स तथा वाइव्ज, जेवियर.2004. ''कोऑर्डिनेशन फेल्यूर्स एंड दि लेंडर ऑफ दि लास्ट रिसॉर्ट : वॉज बगेहॉट राइट आफ्टर ऑल?'' *आइडीईआइ वर्किंग पेपर्स* 294. इन्स्टिट्यूट डि'इकोनॉमी इंडस्ट्रिएल्ले (आइडीईआइ), टोलाउज।

रॉड्रिग्ज, एल. जेकोबो. 2002.''इंटरनेशनल बैंकिंग रेग्युलेशन. व्हेअर इज दि मार्केट डिसिप्लिन इन बासेल II?'' *पॉलिसी अनालिसिस,* सं.455. कैटो इन्स्टिट्यूट, अक्तूबर।

रोसेन ग्रेन, एरिक एस.1999. ''मॉडर्नाइजिंग फिनैंशियल रेग्युलेशन : इंप्लीकेशन्स फॉर बैंक सुपरविजन.'' *जर्नल ऑफ फिनैंशियल सर्विसेज रिसर्च,* 16(2-3), दिसंबर।

स्चाएस्टर, ऐंड्रिआ. 2002. ''इश्यूज इन इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग : ऐन ओवरव्यू.'' *आइएमएफ पॉलिसी चर्चा पत्र,* पीडीपी/02/6।

सदासिवन, एन. 2004. *विकास वित्त संस्थाओं पर कार्यकारी दल की रिपोर्ट. भारतीय रिज़र्व बैंक,* मई।

सांटोस, जोआओ, ए.सी. 2000 ''बैंक कैपिटल रेग्युलेशन इन कंटेपरेरी बैंकिंग थिअरी : ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर.'' *बीआइएस वर्किंग पेपर,* सं.90, सितंबर।

सौंडर्स, ऐंथनी. 1994. ''बैंकिंग एंड कॉमर्स. ऐन ओवरव्यू ऑफ दि पब्लिक पॉलिसी इश्यूज.'' *जर्नल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनैंस,* 18(2):231-254।

श्च्वार्ट्ज, अन्ना. 1986. ''रियल एंड श्यूडो-फिनैंशियल क्राइसेस.'' *फिनैंशियल क्राइसेस एंड दि वर्ल्ड बैंकिंग सिस्टम* (सं.) में, फॉरेस्ट कैपी तथा जॉफ्रे ई. वुड, लंदन : मैकमिलन, 11-31।

शाफेर, शेरिल.1997. ''डिपॉजिट इन्शुरेन्स प्राइसिंग : दि हिडेन बर्डेन ऑफ प्रीमियम रेट वोलेटिलिटी''. कैटो जर्नल, 17(1), *कैटो इन्स्टिट्यूट* ।

श्लेइफर, ऐंड्रेइ, तथा रॉबर्ट डब्ल्यू. विश्नी.1998. *दि ग्रैबिंग हैंड : गवर्नमेंट पैथोलॉजीज एंड देअर क्योर्स. कैंब्रिज,* एमए : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

टेलर, एम.1995. ''ट्विन पीक्सः ए रेग्युलेटरी स्ट्रक्चर फॉर दि न्यू सेंचुरी.'' *वर्किंग पेपर सं.20,* सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ फिनैंशियल इन्नोवेशन, लंदन, दिसंबर।

——. 1996. पीक प्रैक्टिस : *हाऊ टू रिफॉर्म दि यूकेटज रेग्युलेटरी सिस्टम.* सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ फिनैंशियल इन्नोवेशन, लंदन, अक्तूबर।

ठाकोर, अंजन वी. 1996 ''कैपिटल रिक्वायरमेंट्स, मॉनिटरी पॉलिसी, एंड ऐग्रिगेट बैंक लेंडिंग : थिअरी एंड एंपिरिकल एविडेन्स.'' *दि जर्नल ऑफ फाइनैंस,* 51(1): 279-324।

दि इकोनॉमिस्ट. 2007. ''ए जनरेशन हैज प्रॉस्पर्ड फ्रॉम दि होलसेल ट्रान्सफर ऑफ रिस्क थ्रू सिक्युरिटाइजेशन. नाऊ इट इज पेइंग दि प्राइस.'' सितंबर।

——. 2008. *अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग पर एक विशेष रिपोर्ट.* मई।

थॉर्नटन. हेनरी. 1802. *ऐन इनक्वायरी इन टू दि नेचर एंड इफेक्ट्स ऑफ पेपर क्रेडिट ऑफ ग्रेट ब्रिटेन.* हैच्चार्ड,लंदन, रिप्रिंट, जॉर्ज अल्लेन तथा अनविन लिमि. लंदन 1939।

ट्राइपार्टाइट अथॉरिटीज स्टेटमेंट. 2007. यूके, सितंबर।

ट्राइपार्टाइट ग्रुप ऑफ बैंक, सिक्युरिटीज एंड इन्शुरेन्स रेग्युलेटर्स. 1995. *दि सुपरविजन ऑफ फिनैंशियल कांग्लोमरेट्स. जुलाई।*

यूएनसीटीएडी. 2002. ई-कॉमर्स तथा विकास रिपोर्ट. http//ro.unctad.org/ecommerce/docs/.

वाइव्ज़, एक्स. 2000.''बैंकिंग सुपरविजन इन दि यूरोपियन मॉनिटरी यूनियन.'' फिस्कल पॉलिसी इमबैलेन्सेज, दि मॉनिटरी ट्रान्समिशन मेकानिज्म एंड प्रूडेन्शियल सुपरविजनः इश्यूज फेसिंग यूरोपटस सेंट्रल बैंकर्स में. एस.सी.डब्ल्यू. ईजफिंगर, के., कोइडिज्क तथा एस. येओ (सं.), *सेंटर फॉर इक्रोनॉमिक पॉलिसी रिसर्च।* यूरोपियन समर इन्स्टिट्यूट, लंदन।

वोल्केर, पॉल. 2008. ''दि सबप्राइम क्राइसिस एंड इट्स इंटरनेशलन कॉन्सिक्वेंसेज : व्हॉट हैपेन्ड एंड हाऊ टू अवॉइड ए सिमिलर क्राइसिस.'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया प्रमुख भाषण, ब्रुकिंग्ज, इन्स्टिट्यूट मोन्टेग्ने तथा इन्स्टिट्यूट डे एलटएंटरप्राइज, अप्रैल।

वेबसाइट ऑफ इंटरनेशनल असोसिएशन ऑफ डिपॉजिट इन्शुरर्स (आइएडीआइ), डिपॉजिट इन्शुरेन्स सिस्टम के पास मौजूद देशों की सूची, www.iadi.org.

व्हेलन, गैरी. 2000. ''इंटर-स्टेट बैंकिंग, ब्रांचिंग, ऑर्गनाइजेशन एंड मार्केट राइवल्री.'' *इक्रोनॉमिक एंड पॉलिसी अनालिसिस,* वर्किंग पेपर 7, जुलाई।